RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 निकिता रॉय का ट्रेलर रिलीज

वर्ष : 27 | अंक : 177 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 17 जून, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

तेहरान छोड़ने की ट्रंप ने दी चेतावनी

भारतीयों के लिए एडवाइजरी जल्द छोड़ दे तेहरान, हेल्प लाइन नंबर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच चल रही लड़ाई में कुछ बड़ा होने वाला है। इस बीच कनाडा में आयोजित जी-7 समिट को बीच में ही छोड़कर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वापस वॉशिंगटन लौट गए हैं। अपनी वतन वापसी से पहले ट्रंप ने कुछ बड़ा होने के संकेत दिए हैं। उनकी वापसी की वजह मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष को बताया गया है, ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि अब अमेरिका सीधे तौर पर ईरान के खिलाफ जंग में उतरने की तैयारी कर रहा है। उधर इजरायल ने एक बार फिर ईरान पर बड़ा हमला बोलते हुए उसके नए आर्मी चीफ को मारने का दावा किया है। ट्रंप की चेतावनी के बाद तेहरान से निकलने वालों का रैला लग गया है। भारत सरकार ने भी तेहरान में रह रहे भारतीयों को जल्द तेहरान छोड़ देने की एडवाजरी जारी की है।

ट्रंप ने कनाडा से लौटते हुए अपने बयान में

कहा कि पब्लिसिटी चाहने वाले फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने गलती से कहा कि मैं कनाडा से जी-7 शिखर सम्मेलन छोड़कर वापस वॉशिंगटन जा रहा हूं ताकि इज़रायल और ईरान के बीच सीजफायर पर काम कर सकूं। यह गलत है, उन्हें नहीं पता कि मैं अब वॉशिंगटन क्यों जा रहा हूं, लेकिन इसका निश्चित रूप से सीजफायर से कोई लेना-देना नहीं है। इससे कहीं ज़्यादा बड़ा... चाहे (शेष पृष्ठ-4 पर)

110 भारतीयों का पहला जत्था ईरान से आर्मीनिया पहुंचा

इजराइल-ईरान संघर्ष मंगलवार को अपने पांचवे दिन में दाखिल हो गया है। सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात को दोनों देशों एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी। इसी बीच भारत ने ईरान में फंसे अपने नागरिकों को निकालने के लिए मिशन रेस्क्यू शुरू कर दिया है। 110 भारतीयों का पहला जत्था ईरान से आर्मीनिया पहुंच गया है, जहां से इन सभी लोगों को भारत वापस लाया जाएगा। इसके अलावा भारत के विदेश मंत्रालय ने ईरान और इजरायल में रह रहे भारतीय नागरिकों को लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। भारत ने अपने नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी जारी की है। भारत ने अपने लोगों से तुरंत तेहरान छोड़ने को कहा है। उनसे भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने और तेहरान से बाहर आने के लिए उचित व्यवस्था न हो पाने तक सुरक्षित स्थान पर रहने को कहा गया है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

ईरान के नए सैन्य कमांडर को मारने का दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने मंगलवार को ईरान के सशस्त्र बलों के नवनियुक्त चीफ ऑफ स्टाफ और वरिष्ठ सैन्य कमांडरों में से एक अली शादमानी को भी मार गिराने का दावा किया है. इजरायली सुरक्षा बल ने दावा किया कि उसने पांच दिनों में दूसरी बार ईरान के युद्धकालीन चीफ ऑफ स्टाफ को ढेर कर दिया है। शादमानी ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के सबसे करीबी सैन्य सलाहकार थे। IDF ने शादमानी की मौत के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इजरायली एयरफोर्स (IAF) द्वारा सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात तेहरान के सेंट्रल इलाके में किए गए हमलों में शादमानी मारा गया है। यह हमला IDF की खुफिया शाखा द्वारा प्राप्त सटीक जानकारी के आधार पर किया गया था।

ऑटो की चपेट में आकर घायल

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर जादो के पास अज्ञात वाहन की चपेट में आने से ऑटो सवार यात्री घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए कासना के काशीराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ग्राम जलालाबाद उर्फ चिंगरावली जनपद बुलंदशहर निवासी विनोद रॉबिन अतुल पूजा और इंद्रजीत ऑटो से झाझर होते हुए रबूपुरा की तरफ जा रहे थे। गांव मोहम्मदपुर जादो के पास जैसे ही ऑटो पहुंचा तो पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ऑटो पलट गया और उसमें बैठी सवारियां घायल हो गई। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इस हादसे में घायल विनोद, अतुल, इंद्रजीत व पूजा को कासना के काशीराम अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया। घायल विनोद की गंभीर हालत को देखते हुए उसे दिल्ली के अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। इस संबंध में राजकुमार ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

चलती बस से उतरा युवक, पिछले पहिए ने कुचला

नोएडा (चेतना मंच)। एनएच-24 पर रोडवेज की चलती बस से उतरने की कीमत एक युवक को अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। चलती बस से उतरा युवक संतुलन खोकर सड़क पर गिर गया और बस का पिछला पहिया उसके ऊपर से उतर गया। मूलरूप से किशनी मैनपुरी निवासी (35 वर्षीय) मनोज पुत्र रतिराम

आज सुबह रोडवेज बस से मैनपुरी से नोएडा आ रहा था। सेक्टर-63 थाना क्षेत्र एसजेएम अस्पताल के पास बस की गति धीमी होते ही मनोज ने चलती बस से उतरने का प्रयास किया। इस दौरान वह संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिर गया। रोडवेज बस का पिछला पहिया मनोज के ऊपर से उतर गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची थाना सेक्टर-63 पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया और परिजनों को हादसे की सूचना दी।

अल्ट्रासाउंड सेंटर में युवक का हंगामा

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-52 में अल्ट्रासाउंड सेंटर पर अपनी पत्नी का अल्ट्रासाउंड कराने आए युवक ने डॉक्टर व स्टाफ के साथ मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर चला गया। डॉक्टर के पति ने थाना सेक्टर-24 में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-52 में रहने वाले डॉ राजू सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी पत्नी डॉ. शिवानी सिंह सेक्टर-52 में अन्य डायग्नोस्टिक अल्ट्रासाऊंड सेंटर चलती है। 16 जून को शिवानी नाम की महिला अपने पति राहुल के साथ अल्ट्रासाउंड कराने आई थी। अल्ट्रासाउंड के पैसों को लेकर उसकी स्टाफ से बहस हो गई। उसकी पत्नी ने राहुल को समझने का प्रयास किया लेकिन वह और उग्र हो गया और उसने फोन कर अपने दो अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया। उन्होंने आते ही उनकी पत्नी व साफ सफाई करने वाले स्टाफ ललन कुमार के साथ मारपीट की। (शेष पृष्ठ-4 पर)

11 वर्षों में केन्द्र के एतिहासिक विकास कार्य

नोएडा (चेतना मंच)। आज भारतीय जनता पार्टी द्वारा होशियारपुर शक्ति केंद्र में एक बैठक की गई जिसमें 11 साल बेमिसाल के मुद्दे पर चर्चा की गई। इस दौरान मुख्य वक्ता के तौर पर भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित त्यागी ने बताया कि पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक विकास कार्य तथा कई जनकल्याणकारी नीतियां लागू की जो अपने आपमें बेमिसाल हैं। इस मौके पर सभी वक्ताओं ने 11 साल में केंद्र सरकार द्वारा किए गए ऐतिहासिक कार्यों का लेखा - जोखा पेश किया।

इस मौके पर सतपाल यादव पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश, ठाकुर उज्जवल सिंह, सतीश यादव, संदीप यादव, रिंकू यादव, प्रदीप यादव, मुकेश यादव, शोवी पंडित, चतर यादव, विकाश यादव, सचिन यादव, दविंदर पंडित, मुकेश पंडित व शीतराम पंडित आदि मौजूद रहे।

हाथ से मोबाइल झपटकर बदमाश फरार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के दो अलग-अलग थाना क्षेत्र में बदमाशों ने मोबाइल झपटमारी व चोरी की घटना को अंजाम दिया। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। होशियारपुर गांव में रहने वाले सनी ने थाना सेक्टर 49 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 15 जून को सेक्टर 75 से ड्यूटी खत्म कर अपने घर आ रहा था होशियारपुर हनुमान चौक के पास में ऑटो से उतरकर चालक को पैसे दे रहा था। इस दौरान पीछे से बाइक पर आया एक बदमाश उसके हाथ से मोबाइल फोन झपटकर फरार हो गया। उसने बदमाश का पीछा कर उसे पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह हत्थे नहीं चढ़ा। वहीं थाना सेक्टर-63 में चोटपुर कॉलोनी में रहने वाले संदीप कुमार गुप्ता ने मोबाइल फोन चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह किराए के मकान में रहता है 5 जून की शाम को किसी अज्ञात चोर ने उसके कमरे से मोबाइल फोन चोरी कर लिया।

मकान मालिक दुबई में, पड़ोसी ने बताया चोरी हो गई

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सेक्टर-42 धन्य निकेतन सोसायटी के फ्लैट नंबर-63 में चोरी हो गई। पुलिस चौकी सेक्टर 45 से कुछ कदम पर वारदात हुई है। सॉफ्टवेयर इंजीनियर विवेक शर्मा का यह मकान बताया जाता है। वह इस समय दुबई में हैं। जानकारी के मुताबिक परिवार के कुछ लोग गर्मी की छुट्टी मनाने एक महीना पहले ही घर लॉक कर कहीं चले गए थे। सोसाइटी में चारों तरफ सिक्योरिटी गार्ड रहते हैं। इसके बावजूद रेकी कर चोरी को अंजाम दिया गया। घर का मैन लॉक नहीं टूटा तो बाहर की खिड़की तोड़कर अंदर चोर घुसे और पूरे घर की अच्छे से तलाशी ली। लॉक तोड़े अलमारी तोड़ी और सामान चोरी कर ले गए। लोगों का आरोप है कि अगर सेक्रेटरी यहां पर खुद रहते हैं जायजा लेते सिक्योरिटी पर ध्यान देते तो यह वारदात नहीं होती। लोगों का आरोप है कि सेक्टर की सुरक्षा पुख्ता नहीं है और सेकेट्री इसका ध्यान नहीं देते।

इलेक्ट्रीशियन पर लोहे की रॉड से हमला

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना बीटा-2 क्षेत्र की एक सोसायटी के इलेक्ट्रीशियन के साथ एक व्यक्ति ने गाली गलौज करते हुए मारपीट की। मारपीट के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गया।

ग्राम बरहमपुर दादरी निवासी विनोद कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह ग्रेटर नोएडा की एल्डेको ग्रीन मिडोज सोसाइटी में इलेक्ट्रीशियन के रूप में कार्यरत है। 4 जून की सुबह किसी काम को लेकर ग्राम कलूपुरा निवासी सुरेंद्र सिंह ने उसके साथ बहस शुरू कर दी। बहस के दौरान वह उसे गंदी-गंदी गालियां देने लगा। उसने जब गाली गलौज का विरोध किया तो सुरेंद्र ने लोहे की रोड से उस पर हमला बोल दिया। लोहे की रोड से उसे गंभीर चोट आई। इस दौरान मौके पर (शेष पृष्ठ-4 पर)

दहेज के लालच में पति व ससुराली बने हैवान

बहु से की मारपीट, पेट में लात मारने से हुआ गर्भपात

नोएडा (चेतना मंच)। दहेज की मांग को लेकर ससुराल वालों ने नवविवाहिता का जमकर उत्पीड़न किया । पति व ससुराल वालों द्वारा की गई मारपीट की वजह से महिला का गर्भपात भी हो गया। पीड़िता ने थाना सूरजपुर में अपने पति व ससुराल वालों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न, मारपीट सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा क्षेत्र की रहने वाली मधु (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 6 दिसंबर 2024 को ग्राम मकनपुर निवासी हिमांशु के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उसे दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। 12 फरवरी 2025 को उसके परिजन उसे अपने साथ गंगा स्नान के लिए लेकर गए वापस आने पर उसके भाई ने उसे उसके पति हिमांशु के साथ गाड़ी तक छोड़ दिया। उसके भाई के जाने के बाद उसके पति ने उसके साथ रास्ते में गाली गलौज और मारपीट कर उसे चलती गाड़ी से फेंकने की कोशिश की। घर पहुंचने पर हिमांशु उसकी मां कांता व पिता जगदीश ने कमरे में बंद कर उसे मारा पीटा। मारपीट की इस घटना के बाद उसने अपने परिजनों को जानकारी दी। परिजनों के साथ वह (शेष पृष्ठ-4 पर)

राम-राम || राम-राम || राम-राम || राम-राम || राम-राम || राम-राम || राम-राम ||

शोक संदेश

प्रियजन

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा हैं कि हमारी ममतामयी माँ श्रीमती कुसुम लता अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण करके, शनिवार दिनांक 7 जून 2025 को प्रभु चरणों में लीन हो गई। अतः आपसे अनुरोध है कि निम्नलिखित कार्यक्रम में सम्मिलित होकर हमें कृतार्थ करें।

कार्यक्रम

बुधवार दिनांक 18 जून, 2025

हवन ..... 9:00 बजे प्रातः
ब्रह्मभोज ..... 11:30 बजे प्रातः
श्रद्धांजलि सभा ..... 02:00 बजे दोपहर
रस्म पगड़ी ..... 02:30 बजे दोपहर

स्थान :

पं0 देवी शरण फार्म हाऊस, चामुंडा मंदिर रोड़, रबूपुरा, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्धनगर

शोकाकुल परिवार :

पुत्रः राजकुमार गर्ग, प्रदीप गर्ग, संदीप गर्ग, पवन गर्ग मनोज गर्ग अमित गर्ग
पौत्र : आकर्ष गर्ग, आदित्य राज, साहिल गर्ग, प्रियांशु गर्ग, आयुष गर्ग, विशाल गर्ग, शौर्य गर्ग, कीर्त गर्ग, अथर्व गर्ग, भतीजा : मोहन गर्ग

फोन : 9818490335, 9811082798

राम-राम || राम-राम || राम-राम || राम-राम || राम-राम || राम-राम || राम-राम ||

भंगेल एलिवेटेड पर अभी तक लगे 90 स्ट्रीट पोल

लापरवाही देख बिफरे एसीईओ, कार्य तीव्रता से करने के निर्देश

340 में से सिर्फ 90 पोल ही लग पाए

नोएडा (चेतना मंच)। दादरी सूरजपुर छलेरा (डीएससी) मार्ग पर निर्माणाधीन भंगेल एलिवेटेड रोड का अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय कुमार खत्री ने निरीक्षण किया। एलिवेटेड रोड पर लगाए जाने वाले कुल 340 स्ट्रीट पोल में से अभी तक केवल 90 पोल ही लगे पाए, जिस पर उन्होंने कड़ा एतराज जताया। पोल लगाने का कार्य तीव्रता से कराने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान डिसेंडिंग प्वाइंट पर पहुंच कर मार्ग का कार्य प्रगतिरत पाया, शीघ्र पूर्ण करने के लिए उत्तर प्रदेश राजकीय

फाईल फोटो

निर्माण निगम लिमिटेड अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान सेक्टर-108 में डिवाइन सोसायटी के सामने मार्ग पर कूड़े के ढेर एवं नाली में फ्लोटिंग मैटिरियल पाया गया। उन्होंने रोड पर कार्यरत सफाईकर्मी व सुपरवाइजर की सेवा समाप्त करने के निर्देश दिया, साथ ही सफाई कार्य में लापरवाही बरतने वाली एसपी गवर्मेंट कांट्रेक्टर एवं सप्लायर पर 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। निरीक्षण में संजय कुमार खत्री को बरौला गांव की तरफ ड्रेन की स्थिति ठीक नहीं मिली, जिसको बनाने के लिए उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम के अधिकारियों से कहा। डीएससी रोड पर एलिवेटेड के नीचे बरौला स्थित चौहान टावर के सामने सीवर ओवर फ्लो पाया गया, जिसको ठीक कराने का निर्देश दिया। एलिवेटेड रोड से प्राप्त होने वाले बरसाती पानी (शेष पृष्ठ-4 पर)

महायुद्ध या विश्व युद्ध

इजरायल-ईरान युद्ध की परिणति क्या होगी? क्या यह महायुद्ध या विश्व युद्ध में तबदील होगा? कौन गलत है और कौन सही है? इन सवालों के जवाब फिलहाल नहीं दिए जा सकते। इजरायल के सामने अस्तित्व का संकट है। ईरान 1950 से परमाणु कार्यक्रम में जुटा है। कभी अमरीका उसके परमाणु कार्यक्रम में शामिल था। अमरीका समेत सभी प्रमुख पश्चिमी देशों के साथ ईरान के परमाणु करार थे, लेकिन तमाम करार रद्द करने पड़े, क्योंकि ईरान चोरी-छिपे यूरेनियम से बिजली नहीं, परमाणु बम बना रहा था। यह मिथ्या आरोप नहीं है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप ने धमकी दी है कि ईरान अभी नहीं माना, तो आगे बुरा होगा। उसे बर्बाद कर दिया जाएगा। ईरान अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी को चेतावनी दे रहा है। बहरहाल अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की हालिया बैठक में 19 देशों ने ईरान की परमाणु नीति के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया है। मई, 2025 में आईएईए की एक रपट में खुलासा किया गया है कि पांच माह में ईरान 22 परमाणु बम बनाने की क्षमता हासिल कर लेगा। उसने करीब 60 फीसदी यूरेनियम संवर्धन का काम कर लिया है। ईरान परमाणु कार्यक्रम संबंधी अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का हनन कर रहा है। इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू समेत कई विश्व नेताओं की जानकारी है कि ईरान 9-10 परमाणु बम बना चुका है। ईरानी बम न केवल इजरायल के लिए भयानक खतरा है, बल्कि अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी सरीखे देशों के जहाज फारस की खाड़ी और लाल सागर में नष्ट कर सकता है। ईरानी परमाणु बम बनाए जाने से मध्य-पूर्व और पश्चिम एशिया के हालात भी अस्थिर, अशांत हो सकते हैं, लिहाजा इजरायल ने ईरान पर जो विध्वंसक हमले किए हैं, वे ईरान के परमाणु ठिकानों और कार्यक्रमों को 'मिट्टी' बनाने के मद्देनजर किए हैं। इजरायल ने करीब 200 लड़ाकू विमानों से ईरान के विभिन्न इलाकों में हमले किए। ईरान के सेना प्रमुख, रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के चीफ समेत 20 प्रमुख सैन्य जनरलों और 9 वरिष्ठ वैज्ञानिकों को मार दिया गया। उनमें 3 ऐसे परमाणु वैज्ञानिक थे, जो ईरान का परमाणु कार्यक्रम संचालित करने में विशेष योगदान दे रहे थे। ईरान के सैन्य और परमाणु ठिकानों, मिसाइल लॉन्चर, नेचुरल गैस रिफाइनरी आदि को तबाह कर दिया गया। इजरायल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' को एक बार फिर शाबाश देनी पड़ेगी कि उसने यह ऑपरेशन करीब एक साल पहले तय किया था और करीब 2000 किमी. बसे देश ईरान के भीतर ही अपने बेस बना लिए थे। वहीं से ड्रोन हमले कर ईरान की वायु रक्षा प्रणालियों के परखच्चे उड़ा दिए थे। मोसाद के करीब 1000 एजेंट्स ईरान में ही सक्रिय हैं। यही कारण है कि इजरायल के हमले सटीक निशाने पर लगे। बहरहाल ईरान ने भी 150 मिसाइलों की बारिश कर जवाबी कार्रवाई की है। ईरान के पास ऐसी मिसाइलों का भंडार है, जो 2000 किमी. की दूरी पर मार करने में सक्षम हैं, लेकिन इजरायल के सुरक्षा-कवच भी अभेद्य हैं। अब हमले दोतरफा हो गए हैं। हमलों में अभी तक 141 लोग मारे जा चुके हैं। इजरायल में तो मात्र 3-4 मौतें ही हुई हैं, शेष मौतें ईरान के हिस्से की हैं। इमारतें जमींदोज हो रही हैं। ईरान ने 'आपातकाल' घोषित कर दिया है, तो इजरायल में रेड अलर्ट जारी कर दिया गया है। अमरीका ने अपने सैनिकों के परिवारों को वापस बुलाने का आदेश दिया है। भारतीय दूतावास ने भी 'परामर्श' जारी किए हैं, लेकिन एक ही हमले से ईरान का परमाणु कार्यक्रम छिन्न-भिन्न हो जाएगा अथवा तबाह हो चुका है, यह संभव नहीं है। ईरान यूरेनियम खदानों और भंडारण का देश है। पहाड़ों के नीचे परमाणु प्रयोग किए जा रहे हैं। इजरायल ने नतांज के प्रमुख परमाणु ठिकाने पर हमला किया था, नतीजतन विकिरण फैलने लगा है। हालांकि यह बाहर नहीं आया है। आईएईए ने निर्देश दिए हैं कि परमाणु ठिकानों पर हमले न किए जाएं। उनसे लोग मर सकते हैं और पर्यावरण दूषित हो सकता है, लेकिन दोनों देश 'चरम' और प्रतिशोध पर आमादा हैं।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि यद्यपि वे पुलस्त्य ऋषि के पवित्र, निर्मल और अनुपम कुल में उत्पन्न हुए, तथापि ब्राह्मणों के शाप के कारण वे सब पाप रूप हुए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

कीन्ह बिबिध तप तीनिहुँ भाई। परम उग्र नहिं बरनि सो जाई॥
गयउ निकट तप देखि बिधाता। मागहु बर प्रसन्न मैं ताता॥

तीनों भाइयों ने अनेकों प्रकार की बड़ी ही कठिन तपस्या की, जिसका वर्णन नहीं हो सकता। (उनका उग्र) तप देखकर ब्रह्माजी उनके पास गए और बोले- हे तात! मैं प्रसन्न हूँ, वर माँगो॥

करि बिनती पद गहि दससीसा। बोलेउ बचन सुनहु जगदीसा॥
हम काहू के मरहिं न मारें। बानर मनुज जाति दुइ बारें॥

रावण ने विनय करके और चरण पकड़कर कहा-हे जगदीश्वर! सुनिए, वानर और मनुष्य- इन दो जातियों को छोड़कर हम और किसी के मारे न मरें। (यह वर दीजिए)॥

एवमस्तु तुम्ह बड़ तप कीन्हा। मैं ब्रह्माँ मिलि तेहि बर दीन्हा॥
पुनि प्रभु कुंभकरन पहिं गयऊ। तेहि बिलोकि मन बिसमय भयऊ॥

(शिवजी कहते हैं कि-) मैंने और ब्रह्मा ने मिलकर उसे वर दिया कि ऐसा ही हो, तुमने बड़ा तप किया है। फिर ब्रह्माजी कुंभकर्ण के पास गए। उसे देखकर उनके मन में बड़ा आश्चर्य हुआ॥

(क्रमशः...)

भारत-अमरीका अंतरिम व्यापार समझौते की संभावनाएं

यकीनन इस समय भारत और अमरीका के बीच अंतरिम कारोबार समझौते के अंतिम दौर की वार्ता इसी माह जून तक पूर्ण किया जाना ट्रंप के बार-बार बदलते टैरिफ रुख के साथ-साथ दो अन्य कारणों से भी भारत के हित में है। कुछ दिनों पहले तक चीन पर भारी टैरिफ लगाने वाले ट्रंप ने अब अमरीका और चीन के बीच व्यापार युद्ध रोककर कारोबारी संबंधों को वापस पटरी पर लाने और दुर्लभ खनिजों पर चीन के निर्यात प्रतिबंधों को हटाने के लिए 11 जून को चीन के साथ करार किया है। इसके तहत जहां चीन अमरीका को मैग्नेट और दुर्लभ खनिजों की आपूर्ति करेगा, वहीं अमरीका अपने कालेजों और विश्वविद्यालयों में चीनी छात्रों को पढने की अनुमति देगा। इसी तरह अमरीका की व्यापक शुल्क नीति पर अमरीका की संघीय अपील अदालत द्वारा ट्रंप के अनुकूल फैसला दिया गया है। इस फैसले से अमरीका अन्य देशों के खिलाफ खुद को बचाने के लिए शुल्क का उपयोग कर सकता है। अतएव ऐसे परिदृश्य में भारत और अमरीका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते से ट्रंप के व्यापार यूटर्न पर रोक लग सकेगी। गौरतलब है कि हाल ही में अमरीका के वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लटनिक ने कहा कि भारत और अमरीका के बीच आंतरिक व्यापार समझौता इसी जून महीने में पूरा होते हुए दिखाई दे सकेगा। इस तरह के समझौते को पूर्ण होने में दो या तीन साल लग जाते थे। विगत 29 मई को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि मैनहैटन की अंतरराष्ट्रीय व्यापार अदालत के द्वारा विभिन्न देशों के विरुद्ध अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क सहित अन्य विभिन्न शुल्कों को अवैध ठहराए जाने के बीच अमरीका के साथ भारत की व्यापार वार्ता सही दिशा में आगे बढ़ती रहेगी। वस्तुतः इस समय भारत-अमरीका कारोबार के बढने के बारे में तीन बातें रेखांकित हो रही हैं। एक, भारत और अमरीका के बीच 25 जून, 2025 तक एक अंतरिम व्यापार समझौते की घोषणा हो सकती है। दो, भारत सरकार अपनी सरकारी खरीद बाजार का एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोलने जा रही है तथा इसमें अमरीका की कंपनियां भी शामिल होंगी। भारत सरकार के खरीद अनुबंधों का केवल एक हिस्सा विदेशी कंपनियों के लिए खोला जाएगा। यह हिस्सा मुख्य रूप से केवल केंद्र सरकार की परियोजनाओं से जुड़ा होगा। तीन, अमरीकी कंपनियों के लिए भारत लाभ का बाजार बना हुआ है।

अमरीकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के द्वारा आईफोन निर्माता कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक को अमरीका में बिकने वाले आईफोन भारत में बनाए जाने पर अमरीका में 25 फीसदी टैरिफ लगाए जाने की कड़ी चेतावनी के बाद भी एप्पल ने भारत में आईफोन विस्तार जारी रखने का संकेत दिया है। गौरतलब है कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने वाशिंगटन में अमरीकी वाणिज्य मंत्री हार्वर्ड लटनिक के साथ दोनों देशों के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की वार्ता की प्रगति की समीक्षा की और कहा कि पारस्परिक लाभ (रेसिप्रोकल) सुनिश्चित करने के लिए वस्तुओं में अंतरिम व्यापार व्यवस्था को आकार दिए जाने की संभावना हैं। अमरीका ने विगत 2 अप्रैल को भारतीय सामान पर अतिरिक्त 26 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था, लेकिन इसे 9 जुलाई तक यानी कुल 90 दिनों के लिए सस्पेंड कर दिया था। ऐसे में 8 जुलाई के पहले अमरीका के साथ किया जाने वाला अंतरिम व्यापारिक समझौता टैरिफ विवादों को सुलझाने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। इस संभावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में जो तस्वीर उभर कर दिखाई दे रही है, इसके तहत अमरीका के बाजार में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को शून्य करवाने के लिए भारत भी अमरीका की कई वस्तुओं पर शुल्क में राहत दे सकता है। अमरीका भारत के बाजार में कृषि उत्पादों का निर्यात करना चाहता है, लेकिन भारत सिर्फ गैर जेनिटिकली मोडिफायड (जीएम) कृषि उत्पादों को ही अपने बाजार में आने की अनुमति देगा। डेयरी जैसे संवेदनशील उत्पादों को भी शुल्क समझौते में शामिल करने की उम्मीद नहीं है। भारत अमरीका से सभी रोजगारपरक सेक्टर में शून्य शुल्क या अति कम शुल्क चाहता है ताकि इन सेक्टर का अमरीका में होने वाला निर्यात बढ़े, जिससे भारत में मैन्युफैक्चरिंग व रोजगार बढ़ोतरी में मदद मिलेगी। दूसरी तरफ, अमरीका इलेक्ट्रिक वाहनों के साथ, वाइन, एथनाल, कई औद्योगिक आइटम व कुछ खाद्य आइटम के शुल्क में छूट चाहता है। इसके साथ अमरीका भारत के गुणवत्ता नियंत्रण नियम में भी छूट चाहता है। पिछले दिनों अमरीका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने भी वाशिंगटन में एक बैठक में कहा कि पूरी दुनिया में भारत एक ऐसे पहले देश के रूप में सामने है, जिसके साथ अमरीका का द्विपक्षीय-कारोबार समझौता (बीटीए) प्रारंभिक आकार लेने के करीब है। भारत-अमरीका के बीच बीटीए को 31 दिसंबर, 2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया है।

ऐसे में 8 जुलाई के पहले अमरीका के साथ किया जाने वाला अंतरिम व्यापारिक समझौता टैरिफ विवादों को सुलझाने और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित हो सकता है। इस संभावित अंतरिम व्यापार समझौते के बारे में जो तस्वीर उभर कर दिखाई दे रही है, इसके तहत अमरीका के बाजार में भारतीय वस्तुओं पर लगने वाले शुल्क को शून्य करवाने के लिए भारत भी अमरीका की कई वस्तुओं पर शुल्क में राहत दे सकता है।

गौरतलब है कि विगत 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमरीका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे हाथ से लेने में अच्छी तरह से कामयाब दिखाई दिए। दोनों देशों ने अमरीका के व्यापार घाटे को कम करने,व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमरीकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति व्यक्त की। दोनों देशों ने द्विपक्षीय समझौते के तहत भारत और अमरीका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया। साथ ही भारत और अमरीका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। निश्चित रूप से ट्रंप के द्विपक्षीय व्यापार संबंधी कुछ अपरिपक्व बयानों के बाद भी अब इसी जून माह में अमरीका के साथ शीघ्र ही भारत के अंतरिम व्यापार समझौते और फिर दिसंबर 2025 तक बीटीए से भारत अमरीका कारोबार तेजी से बढ़ते हुए दिखाई देगा। हाल ही में प्रकाशित विदेश व्यापार के नए आंकडों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। साथ ही दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह महत्त्वपूर्ण है कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमरीका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में अमरीका से आयात 7.44 प्रतिशत बढ़कर 45.33 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमरीका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर था। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि पिछले दिनों ब्रिटेन के साथ हुआ भारत का एफटीए अब अमरीका और यूरोपीय संघ जैसे बड़े देशों के साथ-साथ ओमान, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजरायल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एक मिसाल के रूप काम कर रहा है। हम उम्मीद करें कि भारत के द्वारा अमरीका के साथ इसी जून माह में संभावित मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के बीच 2030 तक 500 अरब डॉलर के द्विपक्षीय कारोबार के लक्ष्य के मद्देनजर मील का पत्थर साबित होगा। इससे देश से निर्यात बढ़ेंगे और बड़े पैमाने पर रोजगार के नए अवसरों का निर्माण होगा।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

रक्त की हर बूंद में छिपी है किसी घर की मुस्कान

रक्तदान को पूरी दुनिया में सबसे बड़ा दान माना गया है क्योंकि रक्तदान ही है, जो न केवल किसी जरूरतमंद का जीवन बचाता है बल्कि जिंदगी बचाकर उस परिवार के जीवन में खुशियों के ढेरों रंग भी भरता है। कल्पना कीजिए कि कोई व्यक्ति रक्त के अभाव में जिंदगी और मौत की लड़ाई लड़ रहा है और आप एकाएक उम्मीद की किरण बनकर सामने आते हैं और आपके द्वारा किए गए रक्तदान से उसकी जिंदगी बच जाती है तो आपको कितनी खुशी होगी। हालांकि एक समय था, जब चिकित्सा विज्ञान इतना विकसित नहीं था और किसी को पता ही नहीं था कि किसी दूसरे व्यक्ति का रक्त चढ़ाकर किसी मरीज का जीवन बचाया जा सकता है। उस समय रक्त के अभाव में असमय होने वाली मौतों का आंकड़ा बहुत ज्यादा था, किंतु अब स्थिति बिल्कुल अलग है, लेकिन फिर भी यह विडंबना ही कही जाएगी कि रक्तदान के महत्व को जानते-समझते हुए भी रक्त के अभाव में आज भी दुनियाभर में हर साल करोड़ों लोग असमय ही काल के ग्रास बन जाते हैं, जिनमें अकेले भारत में ही रक्त की कमी के चलते होने वाली ऐसी मौतों की संख्या करीब बीस लाख होती है क्योंकि देश में प्रतिवर्ष करीब पच्चीस लाख यूनिट रक्त की कमी रह जाती है। दरअसल रक्तदान के महत्व को लेकर किए जाते रहे प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोगों के दिलोदिमाग में रक्तदान को लेकर कुछ गलत धारणाएं विद्यमान हैं, जैसे रक्तदान करने से संक्रमण का खतरा रहता है, शरीर में कमजोरी आती है, बीमारियां शरीर को जकड़ सकती हैं या एचआईवी जैसी बीमारी हो सकती है।

इस तरह की भ्रांतियों को लेकर लोगों को जागरूक करने के प्रयास किए जाते रहे हैं, किन्तु अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी है। रक्तदान करने से शरीर को किसी भी तरह का कोई नुकसान नहीं होता, बल्कि रक्तदान से तो शरीर को कई फायदे ही होते हैं। जहां तक रक्तदान से संक्रमण की बात है तो सभी स्वास्थ्य केन्द्रों द्वारा रक्त लेते समय विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा तय मानक तरीके अपनाए जाते हैं, इसलिए संक्रमण का कोई खतरा नहीं होता। 18 साल से अधिक उम्र का शारीरिक रूप से स्वस्थ कम से कम 45 किलो से अधिक वजन का कोई भी वयस्क स्वेच्छा से कम से कम तीन माह के अंतराल पर साल में 3-4 बार रक्तदान कर सकता है। कुछ लोगों को रक्तदान के समय हल्की कमजोरी का अहसास हो सकता है, किन्तु यह चंद घंटों के लिए अस्थायी ही होता है। इसके उलट रक्तदान के फायदों की चर्चा करें तो रक्तदान करते रहने से खून की प्राकृतिक रूप से सफाई होती है और रक्त कुछ पतला हो जाने से खून में थक्के नहीं जमते, जिससे हार्ट अटैक की संभावना बेहद कम हो जाती है। रक्तदान के बाद शरीर में जो नए ब्लड सेल्स बनते हैं, उनमें किसी भी बीमारी से लडने की अपेक्षाकृत अधिक ताकत होती है और यह स्वच्छ व ताजा रक्त शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मददगार होता है, जिससे न सिर्फ कोलेस्ट्रॉल और रक्तचाप नियंत्रित रहता है, बल्कि कैंसर जैसी बड़ी बीमारियों से बचाव, कुछ हद तक मोटापे पर नियंत्रण तथा कई संक्रामक बीमारियों से बचाव होता है। रक्त में आयरन की मात्रा नियंत्रित हो जाने से लीवर की कार्यक्षमता बढ़ जाती है। जीवनदायी रक्त की महत्ता के मद्देनजर लोगों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से 14 जून 1868 को जन्मे कार्ल लैंडस्टीनर के जन्मदिवस पर 14 जून 2004 को रक्तदान दिवस की शुरुआत की गई थी और तब पहली बार विश्व स्वास्थ्य संगठन, इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रेडक्रॉस तथा रेड क्रिसेंट सोसायटीज द्वारा रक्तदान दिवस मनाया गया था, तभी से यह दिन रक्तदान के नाम कर दिया गया।

विश्व रक्तदान दिवस की शुरुआत का उद्देश्य यही था कि चूंकि दुनियाभर में लाखों लोग समय पर रक्त न मिल पाने के कारण मौत के मुंह में समा जाते हैं, अतः लोगों को रक्तदान करने के लिए जागरूक किया जाए। हमारे शरीर में शरीर के कुल वजन का करीब 7 फीसदी रक्त होता है और यदि हम उसमें से 3 फीसदी भी दान कर दें तो भी स्वास्थ्य संबंधी कोई समस्या नहीं होती। वैसे विश्व स्वास्थ्य संगठन के निर्देशानुसार एक बार में किसी भी व्यक्ति का एक यूनिट अर्थात 450 मिलीलीटर से अधिक रक्त नहीं लिया जा सकता और इस रक्त की पूर्ति हमारा शरीर खुद ही 2-3 दिनों में ही कर लेता है। रक्तदान के बाद प्राप्त रक्त से आवश्यकतानुसार लाल रक्त कणिकाएं, प्लेटलेट्स, प्लाज्मा और क्रायोप्रेसिपिटेट अलग कर मरीजों के लिए उपयोग किए जाते हैं। आरबीसी का उपयोग रक्त लिए जाने के 42 दिन बाद तक किया जा सकता है, जबकि प्लेटलेट्स केवल 5 दिन के अंदर उपयोग की जा सकती हैं। रक्तदान करते समय कुछ महत्वपूर्ण बातों का ध्यान अवश्य रखा जाना चाहिए, तभी आप द्वारा किया गया रक्तदान सार्थक होगा। आपको एड्स, मलेरिया, हेपेटाइटिस, अनियंत्रित मधुमेह, किडनी संबंधी रोग, उच्च या निम्न रक्तचाप, टीबी, डिप्थीरिया, ब्रोंकाइटिस, अस्थमा, एलर्जी, पीलिया जैसी कोई बीमारी हो तो रक्तदान न करें। माहवारी के दौरान या गर्भवती अथवा स्तनपान कराने वाली महिलाएं रक्तदान करने से बचें। यदि आपको टाइफाइड हुआ हो और ठीक हुए महीना भर ही हुआ हो, चंद दिनों पहले गर्भपात हुआ हो, तीन साल के भीतर मलेरिया हुआ हो, पिछले छह महीनों में किसी बीमारी से बचने के लिए कोई वैक्सीन लगवाई हो, आयु 18 से कम या 60 साल से ज्यादा हो तो रक्तदान न करें। जब भी रक्तदान करें, उससे कुछ समय पहले और कुछ समय बाद तक पर्याप्त पानी पीएं, भोजन में हरी सब्जियां तथा आयरन व विटामिन से भरपूर पौष्टिक आहार लें, लेकिन रक्तदान से पहले जंक फूड, अधिक वसायुक्त भोजन के अलावा धूम्रपान, मद्यपान इत्यादि किसी भी प्रकार के नशे का सेवन करने से बचें। शराब पीते हैं तो 2-3 दिन पहले शराब का सेवन बंद कर दें। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार देश में प्रति वर्ष एक करोड़ यूनिट रक्त की आवश्यकता पड़ती है, किन्तु सिर्फ 75 लाख यूनिट रक्त ही उपलब्ध हो पाता है। देश की कुल आबादी के लिहाज से देखें और यह मानकर चलें कि एक व्यक्ति साल में केवल एक बार ही रक्तदान करता है, तो भी इसका अर्थ है कि महज आधा फीसदी लोग ही रक्तदान करते हैं।

यह बेहद चौंकाने वाली स्थिति है और आधुनिक विज्ञान के युग में भी रक्त की कमी के चलते लाखों लोगों की मौतों के मद्देनजर यह नितांत आवश्यक है कि आमजन को रक्तदान के लिए प्रेरित करने और उसके फायदे समझाने के लिए व्यापक स्तर पर जनजागरण अभियान चलाया जाए। लोगों को समझाया जाए कि रक्तदान करने से उन्हें किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता, बल्कि अपने रक्त से एक अनमोल जीवन बचाकर जो आत्मिक संतुष्टि मिलती है, वह अनमोल है, साथ ही हमारे शरीर का रोग प्रतिरोधी तंत्र भी रक्तदान से मजबूत होता है। स्वैच्छिक रक्तदान कर किसी की जान बचाकर जहां मानसिक खुशी मिलती है, वहीं रक्तदान करने वाले व्यक्ति का एक रक्तदाता कार्ड भी बना दिया जाता है, जिसका लाभ यह होता है कि यदि उसे या उसके किसी परिजन को सालभर के अंदर कभी रक्त की जरूरत पड़ जाती है, तो वह इस रक्तदाता कार्ड के जरिये एक यूनिट रक्त ब्लड बैंक से आसानी से प्राप्त कर सकता है।

-योगेश गोयल
स्वतंत्र लेखक

राशिफल

आषाढ़ माह कृष्ण पक्ष षष्ठी | **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
मन परेशान रहेगा। यात्रा में कष्ट संभव है। आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य थोड़ा गड़बड़।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
आयु में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। व्यावसायिक स्थिति थोड़ी उतार-चढ़ाव वाली रहेगी। कोर्ट कचहरी से बचें।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
अपमानित होने का भय रहेगा। यात्रा कष्टकारी हो सकती है। धर्म-कर्म में अतिवादी न बनें।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी में थोड़ा ऊपर नीचे होगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। पैरों में चोट चपेट लग सकती है। गुदा रोग से परेशान हो सकते हैं।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
मानसिक स्वास्थ्य गड़बड़ रहेगा। बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू तू मैं मैं से बचें।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
यात्रा का योग बनेगा। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
अपनों का स्वास्थ्य और स्वयं का स्वास्थ्य गड़बड़ है। प्रेम, संतान ठीक है। व्यापार मध्यम है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मुख्य रोग के शिकार हो सकते हैं। गंदी भाषा के प्रयोग से बचें और धन हानि के संकेत हैं। निवेश न करें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
घबराहट बेचैनी बनी रहेगी। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम, संतान अच्छा है। व्यापार अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
नेत्र विकार संभव है। सिर में थोड़ा परेशानी हो सकती है। चोट चपेट न लगे सिर या नेत्र में। स्वास्थ्य मध्यम।

विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने गाँव-गाँव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सरकार के विकसित भारत का अमृत काल सेवा सुशासन और ग़रीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर जनपद में विकसित भारत संकल्प सभा का आयोजन किया जा रहा है ।

जिसमें जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में विकास कार्यों के माध्यम से देश दुनिया में नई ऊंचाइयों को छू रहा है और उन्होंने कहा कि सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से जनता की सेवा करने के लिये सरकार द्वारा चलाई गई योजनाओं के तहत 70 वर्ष के वरिष्ठ जनों का शहर नगर गाँव में आयुष्मान भारत योजना के कैम्पों का आयोजन कर उनके कार्ड बनवाए जा रहे हैं उनका लाभ सभी बुजुर्ग वरिष्ठ जनों को मिल सके उसके लिये भाजपा मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर कैम्प आयोजन करा रही है और सरकार की योजनाओं की जानकारी भी देने का कार्य भाजपा कार्यकर्ता सरकार की योजनाओं उपलब्धियों के विषय के पत्रक प्रचार सामग्री जनता के बीच वितरित कर रहे हैं।

सैनी गांव में पीडीए जन पंचायत का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी द्वारा ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गांव सैनी में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष अकबर खान के संयोजन में पीडीए जन पंचायत का आयोजन किया गया। पता जन पंचायत की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने की। इस पीडीए पंचायत में समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता मुखिया गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। इस दौरान उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए मुखिया गुर्जर ने कहा कि भाजपा जब से देश और प्रदेश की सत्ता पर काबिज हुई है, तब से केवल झूठ बोल जनता को गुमराह करने का काम कर रही है। फर्जी राष्ट्रवाद के नाम पर लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा है, उन्होंने कहा कि आज महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है।

भाजपा सरकार जनता की बुनियादी समस्याओं से निजात दिलाने में नाकाम साबित हुई है। सरकार के पास जनता की समस्याओं का कोई हल नहीं है। इसलिए अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए भाजपा तरह-तरह के प्रोपेगेंडा चला रही है। इस मौके पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि इस मौके पर जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी ने कहा कि भाजपा अपने राजनैतिक हित के लिए देश और प्रदेश को सम्प्रदाय और जाति में बाँट रही है। आज पिछड़े, दलित अल्पसंख्यक समाज के साथ अन्याय हो रहा है। सरकार देश के सविधान में मिले उनके अधिकारों को छीनने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली और उनका सम्मान करने वाली पार्टी है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव किसान, गरीब, मजदूर, पिछड़े, दलित अल्पसंख्यकों की आवाज को सड़क से लेकर सदन तक बुलंद कर रहे है। इस मौके पर मुख्य रूप से वीर सिंह यादव, डॉक्टर महेंद्र नागर, फकीरचंद नागर, जिला महासचिव सुधीर तोमर, दीपक देवटा, हैप्पी पंडित, श्याम सिंह भाटी, दीपक नागर, विकास नागर, नरेंद्र सुनपुरा, मोनू मुखिया, जगदीप नागर, जाकिर मुनिरी, अनीश अहमद बिसाडिया, राशिद सिद्दीकी, हसमुद्दीन, डॉ. जावेद, हाजी जरुद्दीन आदि मौजूद रहे।

किसानों ने सौंपा ज्ञापन

दादरी (चेतना मंच)। किसान नेता राजकुमार रूपवास एवं मेरठ मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह नेतृत्व में एक ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा। गांव रूपवास में श्मशान घाट के लिए पूर्व में एनटीपीसी द्वारा रास्ता बनाया गया। इस अवसर पर सुरेश प्रधान तहसील संयोजक वीरेंद्र उर्फ लीलू मेरठ मंडल अध्यक्ष मनोज भाटी पाली एनसीआर सचिव जयंती प्रसाद तहसील संरक्षक अनिल अधाना बबली भाटी अमित चावला योगराज ठाकुर मनीष नागर संजीव एडवोकेट आदि लोग मौजूद रहे।

नोएडा में सामने आया मैट्रीमोनियल साइट का गन्दा धंधा

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर में मैट्रीमोनियल साइट्स से ठगी का का गन्दा धंधा सामने आया है । नोएडा में मैट्रीमोनियल साइट पर आनलाइन रिक्वेस्ट भेजकर शादी करने का झांसा देकर एससी समाज की एक बेटी को एक जालसाज ने अपने जाल में फंसा लिया। उसके ही पैसों से जालसाज गोवा, कर्नाटक शिमला समेत कई हिल स्टेशन पर बड़े-बड़े होटल्स में रुककर शारीरिक संबंध बनाए और जमकर मौज-मस्ती की। इस दौरान युवती का मोबाइल लेकर उसके नाम से करीब 40 लाख का पर्सनल लोन ले लिया और निवेश के नाम पर 13.50 लाख रुपए हड़प लिए। करीब एक साल तक युवती को शादी का झांसा देकर उससे संबंध बनाता रहा। अब बीते मार्च माह में युवती को छोड़कर फरार हो गए। तनाव में जूझ रही युवती ने इस मामले की शिकायत नोएडा के थाना सेक्टर-58 में की है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मूलरूप से मध्य प्रदेश के भोपाल की रहने वाली एससी समाज की बेटी ने कड़ी मशक्कत के बाद बैचलर ऑफ इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। जिसके बाद उसने नोएडा के सेक्टर-56 में रहकर नोएडा की एक बड़ी आईटी कंपनी में डेढ़ लाख रुपए महीनें के पैकेज पर नौकरी शुरू की। जीवन के लिए एक अच्छे साथी की जरूरत थी, तो उसने जीवन साथी डॉट कॉम पर अपना बायोडाटा डाला हुआ था। चैट से शुरूआत होने के बाद 11 अगस्त 2024 को दोनों ने सेक्टर-56 स्थित होटल में मिले। यहां पर आरोपी उसके साथ होटल में रुका। जल्द ही शादी करने का झांसा देकर संबंध भी बनाए। युवती ने अपने घर पर भी जल्द शादी करने की बात बता दी।

शादी का झांसा देकर जाल में फंसाने वाले जालसाज ने अगले कुछ दिन बाद ही नोएडा के सेक्टर-18 स्थित रेडिशन होटल में ग्रांड पार्टी दी। जिसमें युवती और आरोपी जालसाज के दोस्त मौजूद रहे। इस पार्टी में युवती पर और अधिक विश्वास जमाने के लिए जल्द ही शादी करने की घोषणा कर दी। इस पार्टी के बाद से युवती का विश्वास और अधिक आरोपी युवक पर बढ़ गया। पार्टी के बाद सभी दोस्त अपने-अपने घर चले गए, लेकिन युवती और आरोपी जालसाज होटल में ही रुक गए। यहां पर भी उसने शारीरिक संबंध बनाए।

करीब एक साल तक आरोपी युवती के साथ गोवा, कर्नाटक शिमला में कई बड़े होटल्स में कई-कई दिनों तक रुका। यहां पर युवती के साथ मौज-मस्ती के दौरान वह उसका मोबाइल अपने पास ही रखता था। चूंकि युवती को उस पर ज्यादा विास हो गया था। ऐसे में वह भी अपने मोबाइल की तरफ ज्यादा ध्यान नहीं दे रही थी। आरोपी के पास युवती के मोबाइल का पार्सवड भी था। युतवी के बताया कि आरोपी ने इस दौरान 20 से 25 एप के द्वारा उसके नाम पर पर्सनल लोन ले लिया। मगर उसे भनक तक नहीं लगी।

जालसाज ने युवती को बताया कि वह ट्रेडिंग का बड़ा काम करता है। उसकी बड़ी कंस्ट्रक्शन की कंपनी है। वह नौकरी छोड़ दे। अब वह उसकी पूरी जिम्मेदारी संभाल लेगा। ऐसे में युवती को आरोपी पर पूरा विास हो गया। बीते साल 22 अक्टूबर 2024 को युवती ने अपनी नौकरी छोड़ दी। इस दौरान जालसाज युवती को पैसे से ही बड़े-बड़े होटल आदि मेंरुकवाता था। युवती को विास नहीं हो रहा था कि वह उसके साथ जालसाजी कर रहा है। 16 मार्च 2025 को आरोपी युवती से अपने घर जयपुर जाने की बात कहकर चला गया। वह युवती से फिर भी बात करता रहा, लेकिन वापस लौटकर नहीं आ रहा था। जब युवती ने आरोपी की मां के मोबाइल पर बात की, तो पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया। अब जाकर युवती की शिकायत पर मामला दर्ज कर पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है। युवती का कहना है कि जालसाज उसका जीवन बर्वाद कर गया है। वह डिप्रेशन में जा चुकी है। उसके जीवन भर की कमाई आरोपी लूट ले गया है।

सूरजपुर में बाल श्रम पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद को बाल श्रम मुक्त जिला बनाने के लिए जिलाधिकारी मनीष वर्मा की अध्यक्षता में बाल श्रम उन्मूलन पर एक बैठक/ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में बाल श्रम के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान और कार्यवाहियों की रिपोर्ट अपर श्रमायुक्त श्री सरजू राम शर्मा ने रिपोर्ट रखी।

संगोष्ठी में सीटू की ओर से गंगेश्वर दत्त शर्मा, रामकिशन सिंह, पिंकी ने हिस्सा लिया। संगोष्ठी में बोलते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा ने कहा की सरकार और श्रम विभाग व जिला प्रशासन द्वारा बाल श्रम को रोकने के लिए कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं लेकिन बाल श्रम की समस्या समाप्त नहीं हो रही है जिसकी जड़ में कई पहलू छुपे हुए हैं जिसमें एक पहलू गरीबी व शिक्षा का अभाव है तो दूसरा पहलू लोगों की सोच से भी जुड़ा हुआ है। सरकार को बाल श्रम को रोकने के लिए समग्र पुनर्वास नीति बनाकर बच्चों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता है।

शक्ति केन्द्रों पर हुआ चौपाल का आयोजन

भदोही (चेतना मंच)। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व में जनपद के 65 शक्ति केंद्रों पर चौपाल का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

चौपाल का कार्यक्रम 17-18 तारीख में संपन्न किए जाएंगे जिसमें शक्ति केंद्र कन्धीया ग्राम सभा जोलहा पुर में मंडल चौरी गोवर्धन राय जिला मीडिया प्रभारी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे इसी तरह भदोही ग्रामीण में नगर औराई गोपीगंज महाराजगंज पाली सेमराध नाथ अभोली अन्य और सभी शक्ति केंद्रों पर कार्यक्रम आज संपन्न हुए कार्यक्रम के संयोजक अखिलेंद्र सिंह बघेल चिंटू उपस्थित रहे जिसमें केंद्र और प्रदेश की सरकार की कार्यों की रिपोर्टिंग रिपोर्ट कार्ड के साथ प्रस्तुत किया गया।

जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय ने कहा 11 साल पूर्ण होने के बाद केंद्र की सरकार विकसित भारत सेवा सुशासन को मजबूती प्रदान करते हुए जनता के बीच में कार्यकर्ताओं के बीच में जाकर कार्य को बताने का काम किया गया। जिसमें किए गए कार्यों की चर्चा की गई ऑपरेशन सिंदूर भारत के लिए एक ऐतिहासिक कार्य रहा जहां पर पाकिस्तान को नतमस्तक किया गया और आतंकवादियों को पाकिस्तान के घर में घुस कर मारने का काम किया था यहां के सैनिकों ने काम किया वहीं पर विकास की बात करते हुए धारा 370/35 को हटाकर इतिहास रचा राम मंदिर का निर्माण करवाया किसान सम्मन निधि पीएम आवास योजना सौभाग्य योजना शौचालय योजना ऐसे तमाम कार्यों की प्रशंसा करते हुए जिला मीडिया प्रभारी गोवर्धन राय पार्टी की उपलब्धियां बतलाया कार्यक्रम में उपस्थित निहाल सरोज मंडल महामंत्री पंडित सिंह मंडल महामंत्री श्याम बिहारी पटेल राकेश गुप्ता अशोक पाठक राज यादव प्रियंका जायसवाल दीपम तिवारी दीपक तिवारी शिवलाल मौर्य अश्विनी कुमार जायसवाल शैलेश पांडे ओमप्रकाश मौर्य आदि मौजूद रहे।

कृषकों के आश्रित परिवारों को बांटे चेक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद अंबेडकरनगर में स्तरीय कार्यक्रम का संजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार जनपद गौतम बुद्ध नगर में भी किया गया। इस दौरान विधायक दादरी तेजपाल नागर, अन्य जनप्रतिनिधि, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार तथा कृषक उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में विधायक दादरी एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा द्वारा जनपद के आठ कृषकों के आश्रित परिवारों को 05 इस अवसर पर माननीय विधायक दादरी ने कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के संबंध में विस्तार से बताया कि यह योजना किस प्रकार कृषकों के आश्रित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए उनको आर्थिक मजबूती प्रदान कर रही है। उन्होंने इस अवसर पर मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना संचालित करने हेतु उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भी शुभकामनाएं प्रेषित की।

'किसान का दुख प्रदेश का दुख है' इसी संकल्प को साकार करते हुए जनसभा को संबोधित कर मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के तहत 11690 कृषक आश्रित परिवारों को 561.86 करोड रुपए की आर्थिक सहायता सीधे लाभार्थियों के खातों में प्रेषित की।

जनपद अंबेडकर नगर से आयोजित इस राज्य

ग्रेटर नोएडा के 47 किसानों को तोहफा

सिरसा में किसानों को दिए आबादी के भूखंड

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव के 47 किसानों को छह फीसदी आबादी

भूखंड मिल गया है। सोमवार को भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा और प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह, एसीईओ सुमित यादव और ओएसडी जितेंद्र गौतम के समक्ष समान आकार वाले इन भूखंडों का ड्रा कराया गया। पारदर्शिता को ध्यान में रखते हुए ड्रा प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई गई।

दरअसल, सिरसा गांव के किसानों की जमीन का अधिग्रहण करने के बाद से लंबे अर्से से छह फीसदी आवासीय भूखंड लंबित थे। इन किसानों ने भूखंड पाने के लिए प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से भी गुहार लगाई थी। सीईओ ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आबादी भूखंड शीघ्र देने के निर्देश दिए। नियोजन विभाग से इन भूखंडों को नियोजित करने के तुरंत बाद छह फीसदी आबादी भूखंड विभाग की तरफ से सोमवार को 47 भूखंडों का ड्रा कराया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की पारदर्शी प्रक्रिया की सहराना की। भूखंड पाने वाले किसानों ने खुशी जताते हुए प्राधिकरण के प्रति आभार जताया। प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने कहा है कि इन किसानों को जल्द ही आवंटन पत्र जारी कर दिए जाएंगे और तय समय सीमा में लीज डीड की प्रक्रिया भी पूरी कराई जाएगी। सीईओ एनजी रवि कुमार का कहना है कि किसानों को छह फीसदी आवासीय भूखंड देना प्राधिकरण की पहली प्राथमिकता है। सिरसा की तरह ही अन्य गांवों के पात्र किसानों को भी आबादी के भूखंड शीघ्र आवंटित किए जाएंगे। इस दौरान वरिष्ठ प्रबंधक नियोजन सुधीर कुमार, प्रबंधक प्रमोद कुमार, संदीप रावल आदि मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पर अश्लीलता के खिलाफ प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र यादव के नेतृत्व में नोएडा नगर मैजिस्ट्रेट कार्यालय सेक्टर 19 में बचत अधिकारी शलभ राठी को गृहमंत्री भारत सरकार के नाम देश में सोशल मीडिया की सभी वेबसाइट पर बढ़ती अश्लीलता के विरोध में ज्ञापन सौंपा गया।

राजेन्द्र यादव ने कहा कि आज कल कुछ लोग अपने निज स्वार्थ के लिए सोशल मीडिया पर अश्लीलता परोस रहे हैं। आज कल छोटे बच्चे ऑनलाइन पढ़ाई के लिए मोबाइल का इस्तेमाल कर रहे हैं, पता ही नहीं चलता कि कब किस वेबसाइट पर अश्लील वीडियो या लेख आ जाए। इस तरह से बच्चे अश्लीलता के दलदल में फंसे जा रहे हैं। उन्होंने गृहमंत्री से मांग की है किइस पर तुरंत प्रभाव से प्रतिबंध लगाया जाए।

इस मौके पर ऋषि,दीपू, पूरण, अजब सिंह चौहान, अशोक यादव,अनमोल, राहुल कसना,राजेश यादव, संदीप भाटी जयवीर यादव, गुलाब शाह, मेहंदी खातून, अजमेर बेगम, सुरेन्द्र वशिष्ठ,रहीसुद्दीन,अनिल, शान प्रजापति आदि लोग मौजूद रहे।

ग्रेनो वेस्ट के सेक्टर 16बी में बनेगा 'सरस्वती गार्डन'

पार्क में दिखेगा ज्ञान, संगीत और कला का संगम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ग्रेनो वेस्ट के

निवासियों के लिए सेक्टर 16बी में 'सरस्वती गार्डन' विकसित करने की योजना बनाई है। सरस्वती गार्डन ज्ञान, संगीत और कला की देवी मां सरस्वती को समर्पित होगा। इस गार्डन में ओपन लाइब्रेरी भी होगी, जिसमें छात्र अध्ययन कर सकेंगे। ज्ञान, संगीत और कला के परिदृश्य को समृद्ध करने के उद्देश्य से प्राधिकरण इस पार्क को विकसित कर रहा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने ग्रेनो वेस्ट निवासियों की जरूरत को देखते हुए एक भव्य थीम पार्क बनाने को कहा है। सीईओ के निर्देश पर सेक्टर 16बी में सरस्वती गार्डन बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह ने बताया कि सरस्वती गार्डन में कमल के आकार की छतरी बनाई जाएगी, जो कि इस गार्डन की विशेष पहचान होगी। कमल के आकार में ही एक अध्ययन कक्ष बनाया जाएगा, जिसमें छात्र अध्ययन कर भविष्य के सपनों को साकार कर सकेंगे। इसे छात्रों व पुस्तक प्रेमियों के लिए एक शांत, खुला और प्रेरणादायक स्थान के रूप में बनाया जाएगा। इसमें एक अर्धवृत्ताकार प्रस्तुति मंच (एम्फीथिएटर) भी बनाया जाएगा, जिसमें नेचुरल रूप के पत्थरों की बेंच बनेगी, जिस पर बैठकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों और संवाद का आनंद लिया जा सकेगा। सरस्वती गार्डन में वीणा की भव्य मूर्ति स्थापित की जाएगी, जो कि मां सरस्वती की मौजूदगी का एहसास कराएगी और संगीत की दिव्यता का भी प्रतीक होगी। इस गार्डन में ग्रीनरी अधिक रखने के साथ ही टीले और पैदल पथ भी बनाया जाएगा, जो कि पर्यावरण के लिए भी अनुकूल और देखने में सुंदर लगेंगे। सरस्वती गार्डन परियोजना का प्रस्ताव तैयार कर सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। तकनीकी परीक्षण के बाद डिजाइन बनाकर अप्रूवल लिया जाएगा। इसके बाद टेंडर की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

एसीईओ का बयान

सरस्वती गार्डन ग्रेटर नोएडा वेस्ट के

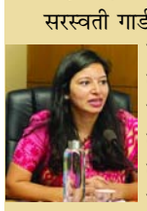

निवासियों, छात्रों और कलाकारों के लिए प्रेरणा और सहभागिता का मंच बनेगा। ग्रेनो वेस्ट के निवासी थीम पार्क बनाने की मांग लगातार कर रहे हैं। सरस्वती गार्डन से ग्रेनो वेस्ट निवासियों की यह मांग पूरी हो जाएगी। इस गार्डन को शीघ्र विकसित कराने का प्रयास किया जाएगा।

प्रेरणा सिंह,
एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

देशव्यापी हड़ताल की तैयारी को लेकर मजदूर संगठनों ने की बैठक

नोएडा(चेतना मंच)। केंद्र सरकार द्वारा लागू की जा रही श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ आगामी 09 जुलाई को प्रस्तावित देशव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने के लिए गौतमबुद्धनगर के विभिन्न मजदूर संगठनों ने आज सेक्टर-3, नोएडा में एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में शामिल नेताओं ने श्रमिकों के अधिकारों के संरक्षण और श्रम संहिताओं की वापसी की जोरदार मांग उठाई।

बैठक की अध्यक्षता सीटू नेता गंगेश्वर दत्त शर्मा ने की। इसमें इंटक, सीटू, एटक, टीयूसीआई, एक्टू, हिंद मजदूर सभा, यूपीएलएफ, यूटीयूसी समेत विभिन्न संगठनों के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने केंद्र सरकार द्वारा लागू की जा रही चार श्रम संहिताओं को श्रमिक विरोधी और विनाशकारी करार देते हुए इन्हें अविलंब रद्द करने की मांग की।

नेताओं ने आरोप लगाया कि योगी सरकार के शासनकाल में मजदूरों की हालत बद से बदतर हो गई है। पिछले 8-9 वर्षों में न्यूनतम वेतन में कोई ठोस बढ़ोतरी नहीं की गई, जबकि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में मजदूरों का न्यूनतम वेतन 11,000 रुपये से भी कम है, जो मजदूरों के जीवन यापन के लिए पूरी तरह से अपर्याप्त है।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि 23 जून को बीएचईएल, सेक्टर-16, नोएडा में होने वाली महापंचायत में सभी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे और आगामी हड़ताल के लिए जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

नेताओं ने जनपद के सभी मेहनतकश मजदूरों से 09 जुलाई की देशव्यापी आम हड़ताल को सफल बनाने की अपील की और कहा कि यदि सरकार मजदूर विरोधी लेबर कोड लागू करने का प्रयास करती है, तो मजदूर संगठन उसके खिलाफ उग्र आंदोलन शुरू करेंगे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

खास खबर

टाटा मोटर्स के शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट

मुंबई। कारोबारी सप्ताह का पहला दिन टाटा मोटर्स के शेयर में भारी गिरावट देखने को मिली है। इस दिन टाटा मोटर्स के शेयर पांच फीसदी नीचे गिए गए है। इनकी कीमत अब 673 रुपये पर पहुंच गई है। इस गिरावट का मुख्य कारण ब्रिटेन स्थित लक्जरी शाखा जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को माना जा रहा है। टाटा मोटर्स ने मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,470 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 17,407 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया था। परिचालन से इसका समेकित कुल राजस्व एक साल पहले की अवधि में 1,19,033 करोड़ रुपये के मुकाबले 0.4 प्रतिशत बढ़कर 1,19,503 करोड़ रुपये हो गया, जो अनुमान से कम है। सोमवार को सुबह कंपनी के शेयर एनएसई पर पिछले बंद भाव से 5 प्रतिशत कम होकर 677 रुपये पर कारोबार कर रहे थे। टाटा मोटर्स का शेयर साल की शुरूआत से 8 प्रतिशत नीचे आ चुका है।

बेटियों के लिए आवश्यक है सुकन्या समृद्धि योजना

नई दिल्ली। दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे शिक्षा और शादी जैसे बड़े खर्चों के लिए वित्तीय योजना का महत्व स्वीकार किया जा रहा है। इसी दिशा में भारत सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना (एसएचवाय) की शुरूआत की है। एसएसवाय एक सरकारी समर्थित बचत योजना है जो बच्चों के भविष्य की देखरेख करती है। इस योजना में माता-पिता अपनी बेटियों के नाम से खाता खोलकर निवेश कर सकते हैं। 10 साल की उम्र तक खाता खोल सकते हैं और एक से अधिक बेटियों के लिए भी यह योजना उपलब्ध है। इस योजना में 6 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जिसके दौरान पैसा निकाला नहीं जा सकता, लेकिन ब्याज मिलता रहता है। बेटी के 18 और 21 साल की उम्र में निवेश का निकासी कर सकते हैं। एक उदाहरण के रूप में, यदि कोई अभिभावक ने अपनी 1 वर्ष की बेटी के नाम पूरी सीमा में निवेश किया है, तो साल 2025 में वह अधिकतम 1.5 लाख का निवेश करेगा। इस प्रकार सुकन्या समृद्धि योजना बेटियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने में मददगार साबित हो सकती है और माता-पिता को आने वाले जीवन के महत्वपूर्ण पलों के लिए तैयार रखने में मदद कर सकती है।

भीषण गर्मी ने बढ़ाई टमाटर की कीमतें

नई दिल्ली। दिल्ली में भीषण गर्मी ने न केवल मौसम को प्रभावित किया है, बल्कि यह अब आम लोगों की रसोई पर भी असर डाल रहा है। खासकर टमाटर के दामों में बढ़ोतरी आई है। इस दौरान टमाटर के दाम 70 से 80 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। उत्तर भारत में भारी नुकसान होने के कारण जून-जुलाई में लोकल टमाटर की फसल खत्म हो जाती है और इस समय ट्रांसपोर्ट की खर्च भी बढ़ जाते हैं। बेंगलुरु से आने वाला टमाटर 1000 रुपए प्रति 25 किलो की दर से बिक रहा है, जबकि पहले यही कैरेट 700-800 रुपए में मिल रही थी। इसके साथ ही प्याज की कीमतों में भी तेजी से वृद्धि देखी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि बारिश के बिना बाजार में दर कम होने की उम्मीद कम है। उपभोक्ताओं को अगले कुछ हफ्तों तक महंगे टमाटर झेलने पड़ सकते हैं।

घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री मई में घटकर 3,44,656 इकाई रही: सियाम

नई दिल्ली। भारत में गाड़ियों की थोक बिक्री में गिरावट देखी जा रही है। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरर्स (सियाम) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार मई में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री में 0.8 प्रतिशत की कमी आई है। इस साल मई महीने में 3,44,656 इकाई गाड़ियां बिक्री गई, जबकि पिछले साल इस समय यह क्रम 3,47,492 इकाई था। दोपहिया वाहनों की बिक्री में तो 2.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि एक वर्ष पूर्व इस समय यह क्रम 16,20,084 इकाई था।

मजबूती के साथ बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई छलांग

निवेशकों को 3.23 लाख करोड़ का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह के आखिरी दो कारोबारी दिन बड़ी गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले कारोबारी दिन ही जोरदार बढ़त के साथ बंद हुआ। शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार कुछ देर के लिए कमजोरी के साथ लाल निशान में भी कारोबार करता रहा, लेकिन पहले 20 मिनट के बाद ही खरीदारी का रुख बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने हरे निशान में अपनी जगह बना ली। मिडिल ईस्ट में बढ़ते जियो-पोलिटिकल टेंशन के बावजूद आज लार्ज कैप और ब्लू चिप शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इस खरीदारी के कारण पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.84 प्रतिशत और निफ्टी 0.92 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए। दिन भर के कारोबार के दौरान रियल्टी, आईटी और मेटल सेक्टर के शेयरों में जमकर खरीदारी होती रही। इसी तरह ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, बैंकिंग, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी, हेल्थकेयर और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.93 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया। शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का

मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद बढ़ कर 450.44 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 447.21 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 3.23 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,253 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,977 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,107 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 169 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,598 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,366 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,232 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 27 शेयर बढ़त के साथ और 3 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 46 शेयर हरे निशान में और 4 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स 84.15 अंक की कमजोरी के साथ 81,034.45 अंक के स्तर पर खुला। शुरूआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सुबह 10 बजे के थोड़ी देर पहले ही ये सूचकांक 106.29 अंक की कमजोरी के साथ 81,012.31 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद बाजार में खरीदारी का जोर बन गया, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी का रुख बनने लगा। लगातार हो रही खरीदारी के कारण दोपहर 12 के थोड़ी देर बाद ये सूचकांक 747.22 अंक की मजबूती के साथ 81,865.82 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 677.55 अंक की तेजी के साथ 81,796.15 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

जून 2025 में तीन बड़े इलेक्ट्रिक स्कूटर देंगे मार्केट में दस्तक

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में इलेक्ट्रिक स्कूटरों की बढती मांग को देखते हुए कई दिग्गज कंपनियां अपने नए मॉडल लॉन्च करने जा रही हैं। जून 2025 में तीन बड़े इलेक्ट्रिक स्कूटर मार्केट में दस्तक देने वाले हैं। सबसे पहले बात करें सुजुकी ई-एक्सेस की, तो यह स्कूटर कंपनी का इलेक्ट्रिक सेगमेंट में पहला कदम होगा। इसमें 3.07 केडब्ल्यूएच का एलएफपी बैटरी पैक और 4.1 केडब्ल्यूएच इलेक्ट्रिक मोटर मिलेगा। सिंगल चार्ज में यह स्कूटर करीब 95 किलोमीटर की रेंज देगा। इस महीने के अंत तक इसकी बिक्री शुरू होने की उम्मीद है। दूसरे नंबर पर है हीरो विडा वीएक्स2, जिसे कंपनी 1 जुलाई को लॉन्च करने जा रही है। यह वीएक्स2 मौजूदा वी2 रेंज से नीचे का मॉडल माना जा रहा है और किफायती सेगमेंट को टारगेट करेगा। डिजाइन के मामले में यह वी2 से मिलता-जुलता होगा और इसके भी बैटरी पैक में ज्यादा बदलाव की संभावना नहीं है। तीसरा स्कूटर बजाज चेतक 2903 आधारित नया मॉडल है, जो कंपनी की ओर से एक सस्ता और एंट्री-लेवल विकल्प होगा।

आईफोन बनाने वाली भारतीय कंपनियों ने पार किया 20 फीसदी लोकल आंकड़ा

अगले एक दशक के दौरान 35 से 40 फीसदी के पार पहुंचने का लक्ष्य

एजेंसी

मुंबई। ऐपल इंडिया के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, विस्ट्रॉन इन्फोकॉम मैन्युफैक्चरिंग, पेगाट्रॉन टेक्नॉलजी इंडिया और फॉक्सकॉन होन हाई इंडिया आईफोन के हर वेरिएंट में अब आधिकारिक तौर पर 20 फीसदी से ज्यादा देसी मूल्यवर्द्धन कर रही हैं। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि 20 फीसदी की सीमा को पार करना इन कंपनियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण पड़ाव है। पांच साल पहले तक इनमें से अधिकतर कंपनियों का स्थानीय पुर्जा विनिर्माण एवं घरेलू मूल्यवर्धन

निचले एकल अंक में था। अब अगले एक दशक के दौरान 35 से 40 फीसदी के पार पहुंचने का लक्ष्य है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, विस्ट्रॉन, पेगाट्रॉन और फॉक्सकॉन अपने कारखानों में आईफोन की असेंबलिंग ही करती हैं मगर वे स्मार्टफोन के कुछ पुर्जों का परीक्षण भी करती हैं। ठेके पर मोबाइल फोन बनाने वाली कंपनियां जब आयातित बैटरी पैक, चार्जर, अडॉप्टर, मैकेनिक्स, डाई-कट पार्ट्स, माइक्रोफोन, रिसीवर, कीपैड, यूएसबी केबल आदि की असेंबली और परीक्षण देश के भीतर ही करती हैं तो सरकार उसे घरेलू मूल्यवर्धन की श्रेणी में रखने की इजाजत देती है। अब इन सभी कंपनियों को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के सार्वजनिक खरीद (मेक इन इंडिया को वरीयता) आदेश, 2017 के अनुसार दूसरी श्रेणी के स्थानीय आपूर्तिकर्ताओं में शुमार कर लिया गया है। ठेके पर इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली ताइवान की इस कंपनी ने मई में अपनी भारतीय इकाई युझान टेक्नोलॉजी में 1.5 अरब डॉलर यानी करीब 12,800 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश किया था।

कारों की बिक्री कम होने से फंसी अरबों की रकम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहक अभी गाड़ियां खरीदने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। यह समस्या पिछले एक साल से चल रही है। भारत में कार डीलरों के पास बहुत सारी गाड़ियां बिना बिके पड़ी हैं। इनकी कीमत 52,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी अरबों रुपये की रकम फंसी हुई है। यह अब तक की सबसे बड़ी रकम है। जानकारी के अनुसार आमतौर पर डीलरों के पास 34 से 38 दिनों का स्टॉक रहता है। अगर गाड़ियों की संख्या में देखें तो यह लगभग 440,000 यूनिट है। मई तक का यह आंकड़ा पिछले साल दिवाली से पहले के स्टॉक से थोड़ा कम है। दिवाली से पहले डीलरों के पास 40 से 45 दिनों का

स्टॉक जमा हो गया था। लेकिन इस बार गाड़ियों की कीमत बढ़ने और स्टॉक जमा होने की वजह से कुल वैल्यू बहुत ज्यादा हो गई है। यह जानकारी इंडस्ट्री के कुछ अधिकारियों ने दी है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए) का कहना है कि डीलरों के पास 52 से 53 दिनों का स्टॉक पड़ा हुआ है। एफएडीए इस बात को लेकर चिंतित है कि डीलरों पर काम करने के लिए पैसे का दबाव बढ़ रहा है। क्योंकि कंपनियां तो गाड़ियां भेज रही हैं, लेकिन डीलर उन्हें बेच नहीं पा रहे हैं। डीलरों के पास गाड़ियां 50 दिनों से ज्यादा समय से खड़ी हैं। जबकि पहले यह समय 21 दिन होता था। कार बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि उनके पास स्टॉक सही मात्रा में है। लेकिन सच्चाई यह है कि गाड़ियों की बिक्री की रफ्तार धीमी हो गई है।

नए स्मार्टफोन वनप्लस नोर्ड 5 को लेकर टीजर जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकप्रिय नॉर्ड सीरीज के नए स्मार्टफोन वनप्लस नोर्ड 5 को लेकर वनप्लस ने टीजर जारी कर दिया है। इस सीरीज को जून 2025 के अंत तक ग्लोबल मार्केट में लॉन्च किया जाएगा। कंपनी ने टीजर में फोन की झलक दिखाई है, जिसमें इसका रियर पैनल मेटालिक फिनिश और कार्बन फाइबर टेक्सचर के साथ नजर आता है। यह लुक खास तौर पर युवाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। वनप्लस नोर्ड 5 में 6.72-इंच की 1.5के अमोलेड डिस्प्ले मिलेगी, जो 120एचझेड रिफ्रेश रेट सपोर्ट करेगी। फोन में क्वालकॉम का स्नैपड्रैगन 7प्लस जेन 3 चिपसेट दिया जाएगा, जो मिड-रेंज सेगमेंट में बेहतरीन परफॉर्मेंस देगा। इसके साथ 8जीबी और 12जीबी रैम के दो वेरिएंट उपलब्ध हो सकते हैं। फोन में 5,500एमएएच की बैटरी होगी, जो 100डब्ल्यू सुपर वॉक फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करेगी और कंपनी के अनुसार यह 20 मिनट से कम समय में फुल चार्ज हो सकता है।

फूलों की साड़ी का ट्रेंड तोड़ने वाली बॉलीवुड अभिनेत्रियां

मुंबई। इन दिनों फ्लोरल साड़ी का चलन जोरों पर है और बॉलीवुड की प्रमुख अभिनेत्रियाँ इस ट्रेंड को ग्रेस और ग्लैमर के साथ अपना रही हैं। सूक्ष्म विंटेज रूपांकनों से लेकर बोल्ड, समकालीन फूलों तक, फ्लोरल साड़ियाँ उन सितारों की पहली पसंद बन गई हैं जो परंपरा को आधुनिक अंदाज के साथ मिलाना चाहती हैं। चाहे रेड कार्पेट पर आना हो या कोई त्यौहार मनाना हो, ये अभिनेत्रियाँ साबित कर रही हैं कि फ्लोरल साड़ी सिर्फ. कालातीत ही नहीं है - बल्कि ये अविश्वसनीय रूप से बहुमुखी भी हैं। यहाँ कुछ सबसे शानदार फ्लोरल साड़ी पलों पर एक नजर डालें, जहाँ लालित्य और सहज शैली का मेल हुआ। आलिया हमारी गंगूबाई एक सफेद फूलों की साड़ी

में अलौकिक लग रही थी, नाजुक फूल वसंत की फुसफुसाहट की तरह कपड़े पर नरम पैटर्न का पता लगाते हैं। लबादा की भव्यता ने उसकी शिष्टता को पूरा किया, जबकि कोमल रंगों ने उसकी मुस्कान में एक शांत आकर्षण लाया। शालीन और कालातीत, वह परंपरा और आधुनिक सुंदरता का सही मिश्रण थीं। अदा शर्मा-केरल की कहानी की लड़की ने बेज रंग की फूलों वाली साड़ी में पुराने जमाने का आकर्षण दिखाया, म्यूट टोन और विंटेज फूल एक बीते जमाने की शालीनता और सूक्ष्म आकर्षण को दर्शाते हैं। नाजुक ड्रेप ने उन्हें शांत परिष्कार की हवा दी, जबकि क्लासिक स्टाइल ने कालातीत सिनेमा और हस्तलिखित पत्रों की यादें जगाईं। वह शिष्टता में लिपटी हुई पुरानी यादों की एक तस्वीर थी। अनन्या बाए ने बोल्ड फूल युवाओं और भव्यता के उत्सव की तरह कपड़े पर नाचते हुए लाल फूलों की साड़ी में जीवंत आकर्षण का प्रसार किया। समृद्ध लाल रंग ने उनकी आत्मविश्वास की आभा को उजागर किया, जबकि फूलों के पैटर्न ने चंचल गरिमा का स्पर्श जोड़ा।

टाटा एसेट मैनेजमेंट का नया ऑल-इन-वन इन्वेस्टमेंट ऐप लांच

रांची। टाटा एसेट मैनेजमेंट ने अपनी तरह का पहला ऑल-इन-वन मोबाइल इन्वेस्टमेंट ऐप लॉन्च करने की घोषणा की है। कंपनी का दावा है कि यह ऐप भारत में निवेश करने के तरीके को एक नई परिभाषा देगा। 'एक ऐप। एक दृश्य। असीमित अवसर।' ब्रांड वादे के साथ पेश किया गया यह ऐप निवेशकों को उनकी पूरी वित्तीय दुनिया की समग्र तस्वीर एक ही स्थान पर देगा। नया ऐप म्यूचुअल फंड, इक्विटी और बैंक खातों का 360 डिग्री पोर्टफोलियो व्यू, फाइनेंशियल रोडमैप, फायर कैल्क्युलेटर, स्मार्ट कार्ट और इनवेस्टमेंट लर्निंग मॉड्यूल जैसी सुविधाओं से लैस है। यूजर्स को हर कदम पर मदद के लिए चैटबॉट सपोर्ट भी मिलेगा। टाटा एसेट मैनेजमेंट के चीफ डिस्ट्रीब्यूशन और डिजिटल अधिकारी हेमंत कुमार ने बताया कि यह ऐप यूजर्स को उनकी वित्तीय संपत्तियों पर स्पष्टता और नियंत्रण देगा। निवेशकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, यह ऐप सरल, स्मार्ट और सुरक्षित निवेश अनुभव प्रदान करेगा। ऐप गूगल प्ले और ऐप स्टोर पर उपलब्ध है।

थोक महंगाई दर मई में घटकर 14 महीने के निचले स्तर 0.39 फीसदी पर

एजेंसी

नई दिल्ली। महंगाई के मोर्चे पर आम जनता को बड़ी मिली है। खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर में भी गिरावट आई है। मई महीने में थोक महंगाई दर घटकर 0.39 फीसदी पर आ गई है, जो इसका 14 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले अप्रैल में थोक महंगाई दर 0.85 फीसदी रही थी, जबकि पिछले साल मई में यह 2.74 फीसदी थी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को जारी आंकड़ों में बताया कि थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पर आधारित थोक महंगाई दर मई महीने में घटकर 0.39 फीसदी पर आ गई है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से थोक महंगाई दर में गिरावट दर्ज हुई है। ये इसका 14 महीने का निचला स्तर है। मंत्रालय के मुताबिक इससे पहले अप्रैल महीने में थोक महंगाई दर 2.05 फीसदी से घटकर 0.85 फीसदी पर आ गई थी, जो इसका 13 महीनों का निचला स्तर था। इससे पहले मार्च 2024 में थोक महंगाई दर 0.26 फीसदी रही थी। मार्च 2025 में यह 2.05 फीसदी पर था। जनवरी 2025, में 2.38 फीसदी थी, जबकि फरवरी 2025 में थोक महंगाई दर 2.38 फीसदी रही थी, जबकि मई 2024 में यह दर 0.53 फीसदी पर थी।

बैंक लोन चुकाये बिना गाड़ी बेचने की साजिश

नोएडा (चेतना मंच)। बैंक लोन चुकाये बिना मारुति की ब्रेजा कार बेचने की साजिश रच कर जालसाजों ने अपने परिचित को ही चूना लगा दिया। पीड़ित ने जालसाजों के खिलाफ थाना सेक्टर-113 में शिकायत दर्ज कराई है।

नोएडा के सेक्टर-74 की ग्रैंड अजनारा हेरीटेज सोसायटी में रहने वाले अमित रस्तोगी ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसके परिचित महमूद हसन ने उसका परिचय अपने रिश्तेदार असलम से कराया था। उसने असलम से पुरानी मारुति सुजुकी ब्रेजा कार खरीदी थी। कार की तमाम धनराशि देकर उसने असलम से कार के डाक्यूमेंट्स ले लिए और ट्रांसफर पेपर पर साइन कर दिए। 10-15 दिन बीतने के बाद भी कार उनके नाम पर ट्रांसफर नहीं हुई उसने जब ऑनलाइन जांच की तो पता चला की ब्रेजा कार पर बैंक से लोन कराया हुआ था। बैंक से लोन क्लियर ना होने के कारण ब्रेजा कार उनके नाम ट्रांसफर नहीं हो पा रही है।

अमित रस्तोगी के मुताबिक आरोपियों ने उसे कार बेचते समय बैंक से प्राप्त एनओसी भी दिखाई थी। इसके बाद दोनों ने कार ट्रांसफर करने के नाम पर उसे 20000 ले लिए। कुछ समय बाद असलम ने स्वीकार किया कि उक्त कार पर लिया गया बैंक लोन वापस नहीं किया गया है। कार उसके नाम ट्रांसफर ना होने पर उसने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने देने से इंकार कर दिया। पीड़ित के मुताबिक आरोपी ना तो कार उसके नाम ट्रांसफर कर रहे हैं और ना ही उसे धनराशि वापस दे रहे हैं। पीड़ित के शिकायत पर थाना सेक्टर-113 पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

जान से मारने की दी धमकी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना कासना में एक युवक ने मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि फोन करने वाले व्यक्ति ने उसे उसके भाई को गोली मारने की धमकी दी है।

मूल रूप से रोनी गांव के रहने वाले सौरभ कुमार श्रीवास्तव ने दर्ज रिपोर्ट बताया कि 15 जून की शाम को उसके मोबाइल फोन पर हिमांशु नाम के युवक का फोन आया। हिमांशु ने फोन पर उसके साथ गाली-गलौज की उसने जब गाली गलौज का विरोध किया तो हिमांशु ने उसे तथा उसके भाई को गोली मारने की धमकी दी। पीड़ित के मुताबिक हिमांशु ने फोन पर धमकी दी है कि वह उसे 20 जून तक जान से मार कर उसके पूरे परिवार को बर्बाद कर देगा। पीड़ित ने आरोपी के खिलाफ थाना कासना में मुकदमा दर्ज कराया है।

सौरभ श्रीवास्तव के मुताबिक हिमांशु मूल रूप से छिबरामऊ कन्नौज का रहने वाला है। पीड़ित ने इस पूरी बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी पुलिस को दी है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है और उसकी तलाश कर रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

तेहरान छोड़ने की...

जानबूझकर हो या अनजाने में, इमैनुएल हमेशा गलत ही बोलते हैं।

राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने बयान में न सिर्फ इमैनुएल मैक्रों को खरी-खोटी सुना दी, बल्कि ईरान-इजरायल संघर्ष को लेकर भी बड़ा इशारा कर दिया है। उनका कहना है कि वह सीजफायर कराने के लिए वापस अमेरिका नहीं लौट रहे हैं और इससे भी कुछ बड़ा करने के इरादे से जा रहे हैं। इसका मतलब है कि अमेरिका फिलहाल ईरान और इजरायल के बीच सीजफायर नहीं चाहता और इससे भी ज्यादा कुछ करने की तरफ बढ़ रहा है।

इससे पहले कनाडा में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग ले रहे नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी कर मिडिल ईस्ट संकट पर चिंता जताई है। जी-7 नेताओं ने ईरान को लेकर तनाव कम करने की अपील की है और स्पष्ट किया कि इजरायल को अपनी आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है। बयान में यह भी कहा गया कि जी-7 देशों का रुख हमेशा से साफ रहा है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता। इसके अलावा जी-7 नेताओं ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया

110 भारतीयों का पहला...

ईरान में भारतीय दूतावास ने कहा कि सभी भारतीय नागरिक और पर्सन ऑफ इंडियन ओरिजिन (भारतीय मूल के व्यक्ति) जो अपने संसाधनों का उपयोग करके तेहरान से बाहर जा सकते हैं, उन्हें शहर के बाहर सुरक्षित स्थान पर जाने की सलाह दी जाती है। ईरान में भारतीय दूतावास ने उन सभी भारतीय नागरिकों से अनुरोध किया है जो तेहरान में हैं और दूतावास के संपर्क में नहीं हैं कि वे तुरंत दूतावास से संपर्क करें और अपना स्थान और संपर्क नंबर प्रदान करें। संपर्क नंबर +989010144557, +989128109115 और +989128109109 हैं।

अल्ट्रासाउंड सेंटर ...

मारपीट करने के बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस का कहना है कि डॉक्टर की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

इलेक्ट्रीशियन पर...

अन्य साथी कर्मचारी पहुंच गए और उन्होंने उसे सुरेंद्र के चंगुल से बचायाद्ध। जाते हुए सुरेंद्र उसे भविष्य में जान से मारने की धमकी देकर चला गया। उसने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर सुरेंद्र वहां से फरार हो गया और अपना फोन बंद कर लिया। थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपी की तलाश की जा रही है।

भंगेल एलिवेटेड पर अभी...

को वाटर हार्वेस्टिंग बनाकर ग्राउंड वाटर रिचार्ज करने की व्यवस्था करने के लिए कहा गया। गांव के सम्मुख डीएससी मार्ग पर कुछ जगहों पर डोर टू डोर गार्बेज का ढेर मिला, नियमित रूप से हटवाने एवं जागरुकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। भंगेल सलारपुर गांव में पिलर नंबर 98 से 109 तक मुख्य नाले को सुपर सकर मशीन से सात दिन में साफ करा कर अवगत कराने को कहा। कुछ जगहों पर डोर टू डोर गार्बेज का ढेर मिला, हटवाने तथा इन स्थानों पर कूड़ा डालने से रोकने के लिए जागरुकता अभियान चलाने, कूड़ा उठाने के लिए गाड़ियों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिया।

दहेज के लालच में...

वापस अपने मायके चली आई। 15 अप्रैल को ससुराल पक्ष के लोग उसे लेने उसके घर पहुंचे। बिरादरी के लोगों के बीच उसके ससुरालवालों ने आइंदा इस तरीके का व्यवहार न होने का आश्वासन देते हुए पूर्व में किए गए व्यवहार पर माफी मांगी और समझौता नामे पर हस्ताक्षर किए। ससुराल पहुंचने पर कुछ समय बाद फिर दहेज के लिए प्रताड़ित करते हुए मारपीट की जाने लगी। पीड़िता के मुताबिक 11 मई की सुबह उसके पति हिमांशु, जेठ दीपक, जेठानी प्रियंका, नंद ज्योति पूजा और नंदोई सुमित प्रदीप व उसकी सास कांता ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। इन लोगों ने उसे लात, घूंसे से मारा पीटा और दुपट्टे से गला दबाकर हत्या करने का प्रयास करने लगे। इस दौरान उसके पति ने उसके पेट में जोर से लात मारी जिससे वह जमीन पर गिरी। इस दौरान उसका भाई नवीन गौतम अचानक उसके घर पहुंच गया उसने ससुराल वालों को रोकने का प्रयास किया तो आरोपियों ने उसके साथ भी गाली गलौज कर मारपीट की। उसके भाई ने कंट्रोल रूम फोन कर पुलिस को मौके पर बुलाया। पुलिस की मौजूदगी में दोनों किसी तरह वहां से निकले और अपने घर पहुंचे। पीड़िता के मुताबिक जिस समय ससुराल वालों ने मारपीट की तब वह करीब डेढ़ माह की गर्भवती थी पति द्वारा पेट में लात मारे जाने से उसका गर्भपात हो गया।

पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने उसके पति हिमांशु, सास, ससुर, ननद व अन्य ससुरालवालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खास खबर

भारत पाक मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस साल 30 सितंबर से शुरू होने जा रहे आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। ये टूर्नामेंट इस साल 30 सितंबर से भारत में शुरूह होगा हालांकि इसमें पाकिस्तान के मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे। दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही हाईब्रिड मॉडल रखा गया है। इसमें मेजबान भारतीय टीम श्रीलंका से पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 30 सितंबर को खेलेगी। आठ टीमों का यह टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन प्रारूप में खेला जाएगा। इसमें शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। वहीं फाइनल 2 नवंबर को होगा। ऑस्ट्रेलिया इसमें पहला मुकाबला 1 अक्टूबर को इंदौर के होलकर क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड से खेलेगी। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण पाकिस्तान के सभी मैच कोलंबो में खेले जाएंगे। इसमें भारत और पाक के बीच मुकाबला 5 अक्टूबर को कोलंबो में खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी टीम की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खिताब जीतने के बाद भी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर नहीं पहुंच पायी है। वहीं डब्लयूटीसी फाइनल में हारी ऑस्ट्रेलियाई टीम अब ताजा जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीकी टीम 114 रेटिंग अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि 123 रेटिंग अंकों के साथ ऑस्ट्रेलियाई टीम शीर्ष पर बरकरार है। इंग्लैंड की टीम 113 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर पहुंची है। वहीं भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड से सीरीज हारने के कारण चौथे स्थान पर खिसक गयी है। भारतीय टीम 20 जून से शुभमन गिल की कप्तानी में इंग्लैंड टीम से पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगी ,इसमें जीत से वह अपनी रैंकिंग बेहतर करना चाहेगी। न्यूजीलैंड आईसीसी रैंकिंग में पांचवें स्थान पर है। वहीं श्रीलंका की टीम छठे और पाकिस्तान की टीम सातवें स्थान पर है। वेस्टइंडीज की टीम इस समय 8वें नंबर पर बनी हुई है जबकि बांग्लादेश 9वें स्थान पर है।

आठ साल बाद पेरिस डायमंड लीग में उतरेंगे नीरज

पेरिस। भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अब 20 जून को पेरिस डायमंड लीग में स्वर्ण पदक जीतने के इरादे से उतरेंगे। नीरज पिछले साल ओलंपिक तैयारियों के कारण इस लीग से बाहर थे। उन्होंने अंतिम बार साल आठ साल पहले साल 2017 में जूनियर विश्व चैंपियन के तौर पर पेरिस डायमंड लीग में भाग लिया था और तब वह 84.67 मीटर के थ्रो के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। पेरिस डायमंड लीग के आयोजकों ने कहा है कि चोपड़ा और दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हैं। ये सभी 90 मीटर का आंकड़ा पार कर चुके हैं। पीटर्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग और 23 मई को पोलैंड में जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल में चोपड़ा के बाद तीसरे स्थान पर रहे थे। चोपड़ा ने इस सत्र की शुरूआत दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम में एक आमंत्रण प्रतियोगिता में खिताब जीतकर की थी।

फीफा क्लब विश्व कप में पीएसजी की धमाकेदार शुरूआत

एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से हराया

एजेंसी

पैसाडेना (लॉस एंजेलिस)। हाल ही में चैंपियंस लीग जीतने वाली पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने फीफा क्लब विश्व कप के अपने पहले मैच में स्पेनिश क्लब एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला रविवार को रोज बाउल स्टेडियम में खेला गया, जहां फ्रांसीसी क्लब ने शुरू से ही दबदबा बनाए रखा। गर्म और धूप भरे माहौल में खेले गए इस मैच में पीएसजी को अपने दो अहम खिलाड़ी – उस्मान डेम्बेले और ब्रैडली बारकोला – की कमी खलने नहीं दी। शुरूआत से ही पीएसजी ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और 19वें मिनट में फाबियन रूइज ने शानदार गोल

कर टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ में एटलेटिको की ओर से एकमात्र स्पष्ट मौका एंटोइन ग्रिजमैन के पास आया, लेकिन उनका शॉट सीधे डोनारुमा के हाथों में गया। इसी मौके से पीएसजी ने तेज काउंटर अटैक किया और विटिन्हा ने 2-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरूआत में एटलेटिको ने कोके को मैदान में उतारा, लेकिन इससे टीम की रफ्तार में कोई खास बदलाव नहीं आया। ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने बार को निशाना बनाया और एटलेटिको के डिफेंडर्स पर लगातार दबाव बनाए रखा। मैच के 57वें मिनट में जूलियन अल्वारेज ने गोल किया, लेकिन फाउल की वजह से उसे अमान्य कर दिया गया। इसके बाद एटलेटिको को और झटका तब लगा जब डिफेंडर क्लेमेंट लेंग्ले को दो पीले कार्ड के चलते बाहर कर दिया गया।

87वें मिनट में सब्स्टीट्यूट सैनी मायूलू ने तीसरा गोल दागा, वहीं इंजरी टाइम में कांग-इन ली ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 4-0 कर दिया। यह पेनल्टी रॉबिन ले नोर्मांड द्वारा हैंडबॉल करने पर मिली थी।मैच के बाद पीएसजी के कोच लुइस एनरिके ने कहा, ₹यह सीजन हमारे लिए इतिहास रचने का मौका है। क्लब, खिलाड़ी और फैंस सभी जीत के भूखे हैं। हम हर टूर्नामेंट की तरह यहां भी खिताब जीतना चाहते हैं।

वहीं, एटलेटिको के कोच डिएगो सिमियोने ने हार को स्वीकारते हुए कहा, टीम ने प्रयास किया, लेकिन 4-0 की हार कठिन है। अब हमें बाकी मैचों में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी।

पीएसजी की यह जीत उन्हें टूर्नामेंट में मजबूत शुरूआत दिलाती है, जबकि एटलेटिको को अगला मुकाबला जीतना अनिवार्य हो गया है।

आईपीएल में खेले खिलाड़ियों ने दिलायी दक्षिण अफ्रीका को जीत

एजेंसी

लॉर्ड्स। दक्षिण अफ्रीका को यहां लॉर्ड्स के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल में मिली जीत के बाद ये साफ हो गया है कि फार्म में चल रहे खिलाड़ी ही टीम को जीत दिला सकते हैं। इस बार दक्षिण अफ्रीकी अंतिम ग्यारह में शामिल कई खिलाड़ियों ने आईपीएल में भी खेला था और वे शानदार फार्म में थे। ऐसे खिलाड़ियों की तादाद ऑस्ट्रेलिया से ज्यादा थी। इस प्रकार देखा जाये तो आईपीएल का दक्षिण अफ्रीकी टीम की जीत में अहम योगदान रहा। डब्लयूटीसी के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे एडन मार्करम ने दूसरी पारी में 136 रन बनाये थे। इससे पहले मार्करम ने लखनऊ सुपरजायंटस की ओर से आईपीएल सत्र में 445 रन बनाये थे। वहीं दक्षिण अफ्रीकी तेज

गेंदबाज कैगिसो रबाडा ने भी गुजरात टाइटंस के लिए अच्छी गेंदबाजी की थी जबकि मार्को येंसन ने पंजाब के लिए 14 मैच में 16 विकेट लिए थे। इन दोनो ने फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जबरदस्त गेंदबाजी की थी। वहीं स्टब्स ने आईपीएम में 13 पारी में 190 के स्ट्राइक रेट से 378 रन बनाए और उनका प्रदर्शन भी फाइनल में अच्छा रहा। गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने आरसीबी के लिए अहम भूमिका निभाई थी और अब दक्षिण अफ्रीका को विजेता बनाया है। रॉयन रिकल्टन ने मुम्बई इंडियंस के लिए खेला था ।

लुईस की आक्रामक पारी से वेस्टइंडीज ने आयरलैंड को हराया

एजेंसी

जमैका। वेस्टइंडीज ने एक रोमांचक टी20 मुकाबले में आयरलैंड को हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज की जीत के हीरो एविन लुईस रहे जिन्होंने 44 गेंद में 91 रन बनाये। वहीं आयरलैंड की हार का कारण लियाम मैकार्थी का ओवर रहा जिसमें मैकार्थी ने 4 ओवर में 81 रन दे दिये। इस प्रकार मैकार्थी अपने डेब्यू मैच में ही सबसे महंगे गेंदबाजी बने हैं। वेस्टइंडीज ने इस मैच में आयरलैंड को 62 रन के बड़े अंतर से हराया। इस मैच में आयरलैंड के कप्तान पॉल स्टर्लिंग ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी शुरू की। उसका ये फैसला गलत रहा।

वेस्टइंडीज ने 5 विकेट पर 256 रन का बड़ा स्कोर बना लिया। लुईस ने सबसे अधिक 91 रन की पारी खेली। इस बल्लेबाज ने इस पारी में 7 चौके और 8 छक्के लगाए और उसका स्ट्राइक रेट 206.81 रहा। कप्तान शेई होप ने 27 गेंद में 51 रन बनाए। पहला मैच खेल रहे केसी कार्टी ने भी 49 रन बनाये। रोमारियो शेफर्ड ने 6 गेंद में 3 छक्कों की मदद से 19 रन बनाए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज मैकार्थी ने चार ओवर में ही 81 रन दे दिये। इसके साथ ही वह टी20 क्रिकेट में मूसा जोबार्टे गाम्बिया के बाद दूसरे सबसे महंगे गेंदबाज बन गए हैं। मूसा ने पिछले साल जिम्बाब्वे के खिलाफ 4 ओवर में 93 रन लुटा दिये थे। वेस्टइंडीज से मिले कठिन लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड की टीम लड़खड़ा गयी। रॉस अडायर ने 48, हैरी टेक्टर ने 38 और मार्क अडायर ने 31 रन बनाये पर ये पर्याप्त नहीं रहा। पूरी आयरिश टीम निर्धारित 20 ओवर में 194 रन ही बना पायी। वेस्टइंडीज की ओर से अकील हुसैन ने सबसे अधिक 3 विकेट जबकि जेसन होल्डर ने दो विकेट लिए।

शुभमन के लिए फायदेमंद होंगे अर्शदीप : पोंटिंग

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि इंग्लैंड दौरे में भारतीय टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह अच्छी गेंदबाज करेंगे। पांच टेस्ट मैचों की इस सीरीज का पहला मैच 20 जून को हेडिंग्ले में खेला जाएगा। अर्शदीप ने अभी तक एक भी टेस्ट मैच नहीं खेला है पर टी20 मैचों में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। बाएं हाथ का गेंदबाज होना भी उन्हें अतिरिक्त लाभ देता है। इसी कारण उन्हें इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। आईपीएल में पंजाब किंग्स के

कोच पोंटिंग ने कहा कि उन्होंगे लीग के दौरान इस तेज गेंदबाज के स्तर को देखा है। अर्शदीप के काम करने के तरीके और तकनीकी ताकत पर भरोसा व्यक्ति किया है। उन्होंने कहा कि वह इस दौरे में नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए फायदेमंद गेंदबाज साबित होंगे। पोंटिंग ने कहा, मुझे उसे अच्छी तरह से जानने का अवसर मिला है। वह टीम के लिए एक शानदार खिलाड़ी है। वह टीम के साथ बहुत शांत रहता है, जो कि उसकी विशेषता है। यही बात हम सभी को पसंद है। जैसे ही दूसरे दिन टीम की घोषणा हुई, टेस्ट टीम, मैंने अपनी टीम बैठक में सबसे पहले यह तय किया कि मैं सबके सामने अर्शदीप को चुने जाने की बात स्वीकार करूं और सबके सामने उसे बधाई दूं। मुझे लगता है कि यह उसका अधिकार है। मुझे लगता है कि वह इंग्लैंड में भी अच्छी गेंदबाजी करेगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने जसप्रीत बुमराह के सभी पांच टेस्ट मैचों के लिए अनुपलब्ध होने की संभावना के संकेत दिए हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना के खिलाफ झोंकेगी पूरा दमखम

एजेंसी

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ करीबी हार के बाद अब भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग 2024-25 (महिला) के लंदन चरण में वर्ल्ड नंबर 2 अर्जेंटीना के खिलाफ होने वाले मुकाबलों के लिए पूरी तरह तैयार है। दोनों टीमें 17 और 18 जून को ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर लंदन में आमने-सामने होंगी। एफआईएच प्रो लीग (महिला) अंक तालिका में भारत इस समय 9 अंकों के साथ 7वें स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना 12 में से 7 मुकाबले जीतकर दूसरे स्थान पर काबिज है। टीम की कप्तान सलीमा टेटे ने आगामी मुकाबलों को लेकर एक बयान में कहा, ह्लअर्जेंटीना दुनिया की नंबर 2 टीम है और उनका अब तक का प्रदर्शन शानदार रहा है। हम जानते हैं कि उन्हें हराना आसान नहीं होगा, लेकिन हम पूरे

आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे और दोनों मुकाबलों में अपना शत-प्रतिशत देंगे। टीम ने अर्जेंटीना को टक्कर देने के लिए कई रणनीतियों पर काम किया है। उपकप्तान नवनीत कौर ने कहा, जैसा कि आपने देखा, टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी कड़ी टक्कर दी थी और हम वही रवैया अर्जेंटीना के खिलाफ भी दिखाएंगे। उनके खिलाफ जीत से न सिर्फ अंक मिलेंगे, बल्कि बेल्जियम और चीन के खिलाफ एंटवर्प व बर्लिन में होने वाले मुकाबलों से पहले टीम का आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

भारतीय टीम इंग्लैंड में दो ही मैच जीतेगी : स्टेन

जोहांसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने कहा है कि भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में केवल दो मैच ही जीत पायेगी। स्टेन के अनुसार मेजबान टीम भारत को 3-2 से हरा देगी। इस पूर्व तेज गेंदबाज का मानना है कि सभी पांच मैच बहुत करीबी होंगे पर कोई भी ड्रॉ नहीं रहेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम लीड्स में 20 जून से शुरू हो रहे पहले मैच की तैयारियों में लगी है। इस बार टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ी नहीं होंगे , जिससे भी भारतीय टीम को नुकसान होगा। ऐसे में इस सीरीज में भारतीय टीम में अधिकतर युवा और उभरते खिलाड़ी हो हैं जो हालातों से किस प्रकार तालमेल बना पाते हैं ये भी देखना होगा।

इंग्लैंड को हराने भारतीय टीम में पर्याप्त प्रतिभा : क्लार्क

एजेंसी

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने शुभमन गिल को भारतीय टीम का कप्तान बनाये जाने को सही कदम बताते हुए कहा है कि इंग्लैंड में जीत दर्ज करने के लिए उसके पास पर्याप्त प्रतिभा है। क्लार्क के अनुसार अब देखना होगा कि रोहित शर्मा, विराट कोहली और आर अश्विन के बिना ये युवा टीम किस प्रकार खेलती है। 20 जून को हेडिंग्ले में शुरू होने वाली पांच मैचों की इस सीरीज से टीम एक नये युग की ओर बढ़ेगी। इस दौरे में शुभमन गिल को जहां कप्तानी मिली है वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उप-कप्तान है। इस सीरीज में टीम के पास युवा गेंदबाज हैं जिनपर अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की कमी पूरी करने का दबाव रहेगा। इसके अलावा मुख्य तेज गेंदबाज

जसप्रीत बुमराह को भी उसे बेहतर इस्तेमाल करना होगा। बुमराह इस सीरीज में केवल तीन मैच ही खेल पायेंगे। ऐसे में ये तय करना होगा कि कौन से मैचों में उन्हें उतारा जाये। क्लार्क ने कहा, ठीक है, हां मैं उन्हें एक अवसर देता हूं, लेकिन यह इंग्लैंड जाने वाली टीम की अपेक्षा बहुत कम अनुभव वाली टीम है। रोहित और विराट का न होना बहुत बड़ी बात है। खिलाड़ी आते हैं, खिलाड़ी जाते हैं, लोग रिटायर होते हैं और खेल आगे बढ़ता है। इसलिए इसका मतलब यह नहीं है कि नया कप्तान भारत के लिए नुकसानदेह होगा। कोई रिटायर होता है तो किसी और को अवसर मिलता है। उन्होंने कहा, मेरे लिए मुख्य बात भारतीय गेंदबाजी आक्रमण है। इसलिए हम सभी जानते हैं कि बुमराह (जसप्रीत) पांच टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे। तो, वह कौन से टेस्ट मैच खेलेंगे? क्या वह लगातार पहले तीन मैच खेलेंगे? आप यह सीरीज जीत जाते हैं, और आखिरी दो मैच मायने नहीं रखते। मुझे नहीं लगता कि ऐसा होने वाला है। मुझे लगता है कि पांच टेस्ट मैच खेलने के कारण उनके शरीर को नुकसान होगा। और फिर मैंने शमी (मोहम्मद) को भी टीम में नहीं देखा। मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई सीरीज में उनका न खेलना बहुत बड़ी बात थी और अगर वह और फिट बुमराह ऑस्ट्रेलिया में होते तो यह सीरीज बहुत अलग होती। साथ ही कहा कि भारत में बहुत प्रतिभा है। मुझे लगता है कि प्रतिभा के मामले में भारत हमेशा सुरक्षित हाथों में रहेगा। बस यह है कि इनमें से कुछ खिलाड़ी इस सीरीज में कितनी जल्दी अपनी छाप छोड़ पाते हैं ये देखना होगा। इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैच खेलना कठिन होता है और ये बात उन्हें समझनी होगी।

गंभीर के पहले टेस्ट के लिए टीम से जुड़ने की संभावना बढ़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की मां की तबियत पहले से कुछ ठीक है। ऐसे में गंभीर जल्द ही टीम से जुड़ सकते हैं। ये भी कहा जा रहा है कि गंभीर 20 जून से शुरू हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारती टीम अभी इंग्लैंड में अभ्यास कर रही। अभी टीम के कोच की जिम्मेदारी बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण निभा रहे हैं। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए स्विट्जरलैंड की यात्रा पर थे और टीम से मिलने के लिए इंग्लैंड गए

थे। ये गंभीर के भारत लौटने से पहले ही उनकी योजना का हिस्सा थे। लक्ष्मण ने लंदन से लॉजेन की यात्रा की और इंट्रा-स्क्वाड (आपस में हुए) मैच में वह भारतीय खिलाड़ियों के साथ रहे। ये मैच भारत ए और राष्ट्रीय टीम के बची टेस्ट सीरीज की तैयारी के लिए खेला गया। इसमें लक्ष्मण का काम टीम पर नजर रखना और अपने अुनभवी साझा करना रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार लक्ष्मण की टीम के साथ कोई आधिकारिक भूमिका नहीं है। वह स्विट्जरलैंड गए थे और लंदन में लड़कों के साथ समय बिताने के लिए रुके थे। यह पहले से उनकी योजना में शामिल था, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वह पहले टेस्ट से पहले निश्चित रूप से टीम में शामिल होंगे। उन्होंने अपनी मां की स्थिति के बारे में डॉक्टरों से बात की है। वह अभी भी आईसीयू में हैं हालांकि उनकी सेहत में पहले से सुधार है। ऐसे में कोच जल्द ही अपनी वापसी की योजना बनाएंगे। उनकी वापसी तक भारतीय टीम को टीम लक्ष्मण के अनुभवों से सीखने को मिलेगा।

सब जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप

झारखंड के खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

एजेंसी

देहरादून। कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन द्वारा 12 से 15 जून तक देहरादून में आयोजित 4th कराटे इंडिया ऑर्गेनाइजेशन कैडेट ,जूनियर , सब जूनियर नेशनल कराटे चैंपियनशिप 2025 में झारखंड राज्य के कराटे खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुवे झारखंड राज्य को कुल 10 मेडल दिलाए एवं अपने राज्य का नाम रोशन किए' जिसमे 3 गोल्ड एवं 7 ब्राउंज मेडल शामिल है। अभिनव कुमार 12 वर्ष कुमिते के-50 किलोग्राम में गोल्ड, प्रांजल कुमार 11

वर्ष के कुमिते +50 किलोग्राम में गोल्ड, शिवा यादव 7 वर्ष के कुमिते- 25 किलोग्राम में गोल्ड, सूरज कुमार ने कुमिते के 10 वर्ष -25 किलोग्राम में ब्राउंज, सुशील नाग 12 वर्ष के कुमिते के -55 किलो ग्राम में ब्राउंज मेडल, अमन गोस्वामी 13 वर्ष के काता वर्ग में ब्राउंज मेडल, आर्यन प्रमाणिक ने कुमिते कैडेट के- 45 किलोग्राम में ब्राउंज मेडल। स्वर कहिनी 13 वर्ष के;काता में ब्राउंज मेडल। मैथी अद्रिजा 7 वर्ष कुमिते के-20 किलोग्राम में ब्राउंज मेडल। युक्ता राज 13 वर्ष कुमिते के -50 किलोग्राम में ब्रॉउज मेडल प्राप्त किए। स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष हांशी मानस सिन्हा,सी ई ओ सेंसाई के के सिंह,सचिव सेंसाई हेजाज असदक , सेंसाई उदय कुमार,हांशी रंजीत केशरी,शिहान नरेंद्र सिन्हा , सेंसाई धनंजय श्रीवस्तव,शिहान शशि पांडे, शिहान रंजीत मेहता, शिहान संजय मिश्रा ,सेंसाई सुमित कुमार , सेंसाई संजय सोनकर ,सेंसाई कमल नायक , सेंसाई सादाब खान,कराटे कोच चंद्र प्रकाश उपाध्याय ,मुकेश कुमार,राजेश कुमार,मनोज शर्मा एवं स्पोर्ट्स कराटे एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अन्य पदाधिकारियों ने बधाई दिए।

आर्मंड डुप्लांटिस ने 12वीं बार तोड़ा पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड

- स्टॉकहोम में रचा इतिहास
- पहले ही प्रयास में कारनामा कर दिखाया

एजेंसी

स्टॉकहोम। स्वीडन के आर्मंड डुप्लांटिस ने एक बार फिर इतिहास रचते हुए पोल वॉल्ट का विश्व रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रविवार को डायमंड लीग प्रतियोगिता के दौरान डुप्लांटिस ने 6.28 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए 12वीं बार नया वर्ल्ड रिकॉर्ड कायम किया। अमेरिका में जन्मे इस दो बार के ओलंपिक चैंपियन ने फरवरी में बनाए अपने ही रिकॉर्ड को एक सेंटीमीटर से बेहतर किया।

स्टॉकहोम के ऐतिहासिक ओलंपिक स्टेडियम में आयोजित इस प्रतियोगिता में उन्होंने पहले ही प्रयास में यह कारनामा कर दिखाया। शानदार मौसम और घरेलू दर्शकों का उत्साह उनके प्रदर्शन को और ऊंचाई देने वाला साबित हुआ। डुप्लांटिस ने प्रतियोगिता से पहले ही वादा किया था कि वे रिकॉर्ड तोड़ने की कोशिश करेंगे। उनके नाम की उद्घोषणा होते ही पूरा स्टेडियम तालियों और जोश से गूंज उठा। दर्शकों का उत्साह उनके हर प्रयास में झलकता रहा, और डुप्लांटिस ने भी उम्मीदों पर खरा उतरते हुए शानदार प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया के कर्टिस मार्शल ने उन्हें चुनौती देने की भरपूर कोशिश की, लेकिन वे अधिकतम 5.90 मीटर की ऊंचाई तक ही पहुंच पाए। छह मीटर की बाधा पार करने में वे तीन बार असफल रहे, जिससे मैदान डुप्लांटिस के लिए खुल गया।

जब बार को 6.28 मीटर पर रखा गया, तो डुप्लांटिस ने अपने पहले प्रयास में ही उसे पार करते हुए स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ा दी। 25 वर्षीय डुप्लांटिस ने अपने रन-अप में ताकत झोंकी, पोल को जमाया और हवा में उड़ते हुए इतिहास रच दिया। लैंडिंग के बाद उन्होंने अपनी जर्सी उतारकर जीत का जश्न मनाया और अपने साथी व परिवार के साथ इस ऐतिहासिक पल को साझा किया।

महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में भी दिखा धमाल

वहीं महिलाओं की 400 मीटर हर्डल्स में डच एथलीट फेम्के बोल ने भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अंतिम 100 मीटर में जबरदस्त तेजी दिखाते हुए 52.11 सेकंड के सीजन-बेस्ट समय में रेस जीती। अमेरिका की दलिलाह मुहम्मद 0.8 सेकंड पीछे रहकर दूसरे स्थान पर रहीं। स्टॉकहोम में दर्शकों को दो जबरदस्त प्रदर्शन देखने को मिले, जिसमें डुप्लांटिस का नया विश्व रिकॉर्ड सबसे खास रहा।

स्वीडन में पुरुष पोल वाल्ट मुकाबले में स्वीडन के मोंडो डुपलैंटिस नया विश्व रिकार्ड बनाने के बाद उत्साहित होते हुए।

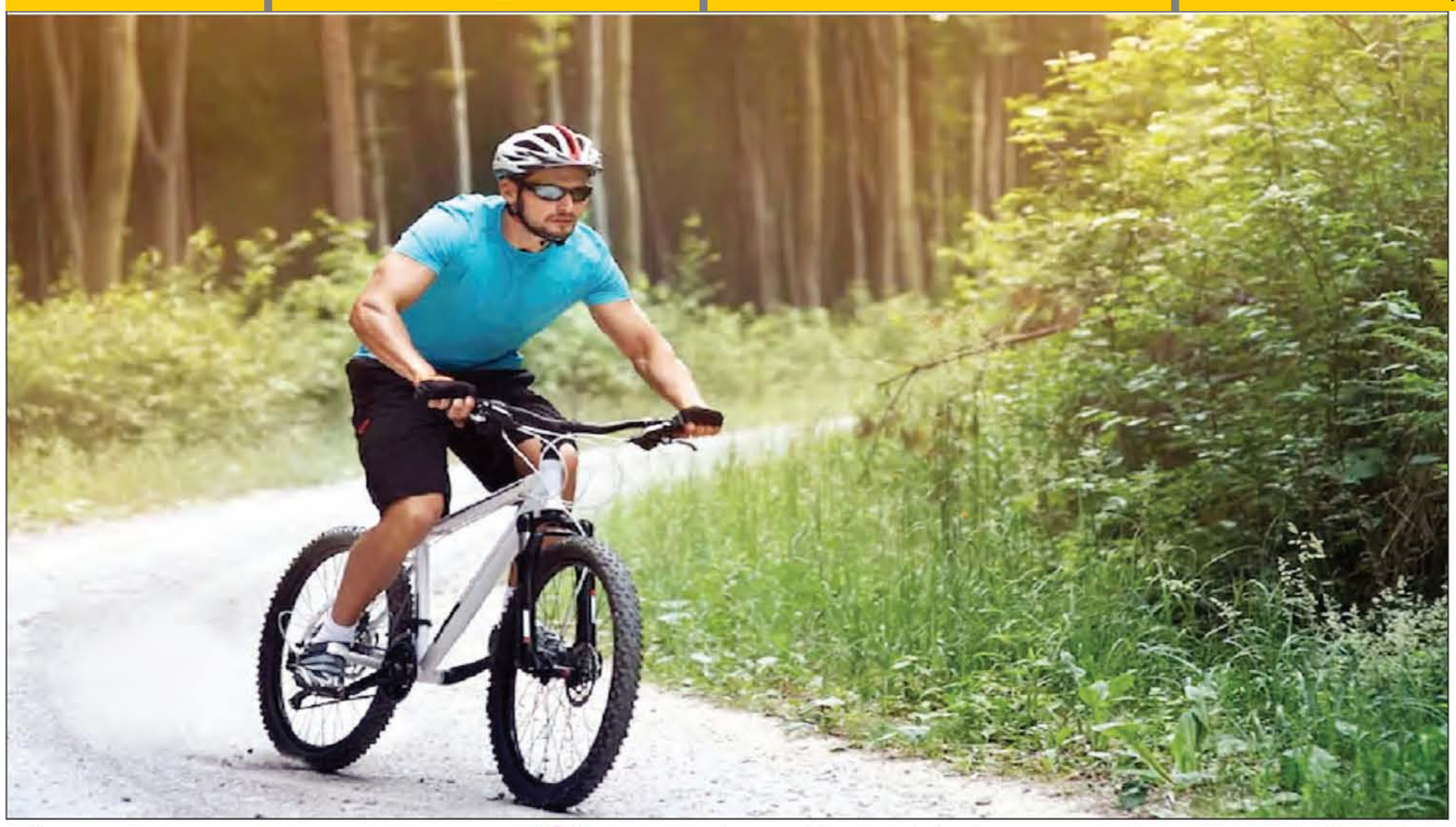

रोजाना सुबह साइकिल चलाने के 5 फायदे

साइकिल चलाने से न केवल आपका शरीर स्वस्थ्य रहता है बल्कि ये मेंटल हेल्थ के लिए भी यह काफी फायदेमंद है। आप इसे वर्कआउट के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आइए जानते है साइकिल चलाने के फायदे, विश्व साइकिल दिवस का इतिहास, किन लोगों को नहीं करनी चाहिए साइकिलिंग और इससे जुड़ी तमाम जानकारी।

वजन घटाने के लिए आप साइकिलिंग कर सकते हैं। इसे चलाने से कैलोरी बर्न होती है। इससे आपको वजन कम करने काफी मदद मिलती है।

पैसों की बचत

अगर आप आसपास कहीं जाने के लिए साइकिल का इस्तेमाल करते हैं तो ऐसा करने से आपके पेट्रोल के पैसे बचेंगे। साथ ही ट्रेफिक में फंसने की दिक्कत नहीं होगी।

साइकिलिंग करना एक कार्डियोवैस्कुलर एक्सरसाइज है। ऐसा करने से आपका शरीर मजबूत बनता है। साथ ही कई तरह की बीमारियों से बचाव को तैयार होता है।

चिंता करे कम

कई रिसर्च में ये बात साबित हो चुकी है कि जब शरीर में हार्मोन रिलीज होता है तो इससे चिंता कम होती है। ऐसे में साइकिलिंग करने से स्ट्रेस कम होता है।

दिमाग करे तेज काम

साइकिलिंग करने से ब्रेन में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन व न्यूट्रिएंट्स की मात्रा बढ़ती है। इससे दिमाग तेज काम करता है।

किन लोगों को नहीं करनी चाहिए साइकिलिंग?

घुटनों की समस्या से पीड़ित लोग
मिर्गी के दौरे वाले लोग
सांस की प्रॉब्लम से परेशान लोग
साइकिलिंग करते समय इन बातों का रखें ध्यान
साइकिल के ब्रेक, टायर और चेन की नियमित जांच करें।
फ्लैट और सख्त जूते पहनें, ताकि पैडल पर सही पकड़ बने।
साइकिल चलाते समय आरामदायक कपड़े पहनें।
खाने के तुरंत बाद साइकिल न चलाएं।
साइकिलिंग से पहले बहुत ज्यादा पानी न पिएं।
अंधेरे में साइकिलिंग करने से बचें।
लंबी दूरी तय करते समय पानी पीते रहें।

रोजाना सुबह साइकिलिंग करने के फायदे

रोजाना सुबह साइकिल चलाने से शरीर में एनर्जी आती है। क्योंकि इससे ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होता है। इसके साथ ही पैरों, हाथों और कंधों की मांसपेशियां मजबूत होती हैं।

साइकिल से जुड़े रोचक तथ्य

विश्व की सबसे लंबी साइकिल 20 मीटर की थी। इसमें 35 लोग बैठे थे।

एक कार 15 साइकिल की जगह लेती है।

पहली साइकिल फ्रांस में बनाई गई थी।

फ्रेड ए बिर्चमोर नामक व्यक्ति ने 1935 में साइकिल से पूरे विश्व की सैर की थी।

नीदरलैंड में करीब 30 प्रतिशत ट्रिप साइकिल से की जाती हैं।

टूर डी फ्रांस दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित और पुरानी साइकिलिंग रेस है।

विश्वभर में हर साल 100 मिलियन से भी ज्यादा साइकिल निर्माण की जाती हैं।

डब्ल्यूएचओ के मुताबिक रोजाना साइकिल चलाने से वजन घटाने और पैरों को मजबूत बनाने में मदद मिलती है। ऐसे में आपको जब भी टाइम मिले रोजाना थोड़ी देर साइकिलिंग जरूर करें।

रोजाना कितनी देर चलाएं साइकिल?

यूं तो हर व्यक्ति की शरीर की क्षमता अलग-अलग होती है। ऐसे में कितनी देर साइकिल चलानी चाहिए वो लोगों की व्यक्तिगत क्षमताओं पर निर्भर करता है। लेकिन अगर वर्कआउट के लिए आपको साइकिलिंग करनी है तो आप रोजाना शुरुआती दिनों में करीब 15 मिनट साइकिल चला सकते हैं। वहीं अगर कोई व्यक्ति पूरी तरह स्वस्थ्य है तो रोजाना 30 मिनट आराम से साइकिल चला सकता है।

क्या गर्मियों में खजूर खा सकते हैं?

इस तरह डेली डाइट में करें शामिल

खजूर में कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसमें फाइबर, आयरन, कैल्शियम, पोटैशियम, मैग्नीशियम और एंटीऑक्सीडेंट की भरपूर मात्रा होने के कारण इसे सुपरफूड कहा जाता है। इसे खाने से कई तरह के फायदे होते हैं। हालांकि, देश के कई हिस्सों में भीषण गर्मी पड़ रही है। इस मौसम में शरीर को ठंडा और हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी होता है, जिसके कारण अधिकतर लोग गर्म चीजों के सेवन से परहेज करते हैं।

खजूर को डेली डाइट में करें शामिल

वैसे तो खजूर की तासीर गर्म होती है। हालांकि, आप इसको गर्मी के मौसम में भी सेवन कर सकते हैं। इस मौसम में भी इसे खाना पूरी तरह सुरक्षित होने के साथ-साथ फायदेमंद होता है। हालांकि, आप इसको सीमित मात्रा में ही सेवन कर सकते हैं। गर्म तासीर वाले होने के कारण भी इसको आप डेली डाइट में शामिल कर सकते हैं। अगर उचित मात्रा में आप सेवन करेंगे तो इससे बॉडी को फायदा पहुंचता है।

पोषक तत्वों का खजाना है खजूर

खजूर में फाइबर, आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम, विटामिन ब्6 और कई तरह के एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो शरीर की ऊर्जा को बढ़ाने के साथ-साथ गर्मी में कमजोरी, थकावट को कम करने के साथ-साथ पानी की कमी को भी पूरा करते हैं।

बॉडी में बनी रहती है हाइड्रेशन

गर्मी के मौसम में शरीर से काफी संख्या में पसीना निकलता है। ऐसे में डिहाइड्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। खजूर में इलेक्ट्रोलाइट्स और मिनरल्स अधिक पाए जाते हैं, जो बॉडी में पानी की कमी को संतुलित करते हैं। आप खजूर को रात के समय पानी में भिगोकर सुबह खा सकते हैं। इससे शरीर को ठंडक मिलती है और बॉडी हाइड्रेटेड रहती है।

स्किन और बालों के लिए है फायदेमंद

गर्मी के मौसम में आप खजूर का सेवन कर सकते हैं। खजूर स्किन और बालों के लिए बेहद फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को भी चमकदार बनाते हैं और झुर्रियों को कम करते हैं। खजूर शरीर को अंदर से डिटॉक्स करता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और दमकती नजर आती है।

वर्कआउट के बाद करें सेवन

गर्मी के मौसम में शरीर जल्दी थक जाता है। सूरज की तेज किरणों और पसीने से बॉडी की एनर्जी तुरंत खत्म हो जाती है। ऐसे में खजूर से आपको नेचुरल ऊर्जा मिल सकती है। दरअसल, इसमें नेचुरल शुगर होता है, जिसके सेवन से बॉडी को तुरंत ऊर्जा मिलती है। अगर आप हर रोज वर्कआउट करते हैं, तो आपको इसका सेवन जरूर करना चाहिए। आप इसे स्नैक्स में भी शामिल कर सकते हैं।

रातभर भिगोकर खाएं

खजूर को खाने के लिए आप इसे रातभर भिगोकर रख सकते हैं और सुबह खाली पेट खा सकते हैं। पानी में इसको भिगोकर खाने से इसकी गर्म तासीर कम होती है और शरीर को ठंडक भी मिलती है। इसको खाने से बॉडी में ऊर्जा मिलती है।

खजूर मिल्कशेक बनाएं

गर्मी के मौसम में आप खजूर मिल्कशेक भी बनाकर पी सकते हैं। यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ ताजगी भरा होता है। इसको बनाने के लिए दूध, खजूर और थोड़ा सा इलायची पाउडर मिलाकर अच्छे से ब्लेंड कर लें। यह एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है। जिम करने के बाद आप इसका सेवन कर सकते हैं।

खजूर खाने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

खजूर खाने से पहले आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। गर्मियों के मौसम में दिन में सिर्फ 2 से 3 खजूर ही पर्याप्त हैं। इससे ज्यादा सेवन करने पर शरीर में गर्मी बढ़ सकती है।

खजूर को खाने के तुरंत बाद ठंडा पानी पीने से बचें। ठंडा पानी पीने से पाचन संबंधी कई तरह की परेशानियां भी हो सकती हैं।

इसको रात के समय नहीं खाना चाहिए। इसे रात के समय सेवन से शरीर में गर्मी बढ़ सकती है।

पाचन होता है बेहतर

गर्मी के मौसम में इसे खाने से पाचन बेहतर होता है। इसमें मौजूद तत्व पेट की आसानी से सफाई करते हैं। हर रोज दो से तीन खजूर खाने से पेट साफ रहता है। यह मेटाबॉलिज्म को भी बेहतर रखता है, जिससे पाचन मजबूत होता है।

तनाव को दूर करता है खजूर

खजूर खाने से तनाव दूर होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स, विटामिन ए और मिनरल्स इम्यून को भी बूस्ट करते हैं। खजूर में प्राकृतिक शुगर और मैग्नीशियम होता है, जो दिमाग को शांत करता है और तनाव को कम करने में मदद करता है। हर रोज खजूर खाने से मानसिक थकान भी दूर होती है।

दही में मिलाकर लगाएं ये 3 चीजें, गर्मियों में धूप की तरह खिल उठेगा चेहरा

गर्मी के मौसम में दही खाने से कई तरह के फायदे होते हैं। यह गर्मी में शरीर को ठंडक देता है। इसमें मौजूद प्रोबायोटिक्स पेट में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ावा देते हैं, जिससे पाचन भी बेहतर होता है। वैसे भी गर्मी के मौसम में पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में दही के सेवन से बॉडी हाइड्रेटेड रहती है।

वहीं, इस मौसम में चिलचिलाती धूप और पसीने के कारण चेहरे की रौनक चली जाती है। इसके कारण त्वचा पर टैनिंग और दाग-धब्बे भी होने लगते हैं। ऐसे में चेहरे को चमकदार और मुलायम बनाने के लिए दही काफी मददगार हो सकता है। दरअसल, दही एक नेचुरल कूलिंग एजेंट के रूप में काम करता है। भीषण गर्मी में यह त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ निखार भी लाता है। अगर त्वचा को नेचुरल तौर पर मुलायम और चमकदार बनाना चाहते हैं, तो आप भी दही में कुछ चीजों को मिलाकर उपयोग कर सकते हैं। इससे त्वचा गर्मी में भी चमकदार बनी रहेगी।

आप दही और बेसन को मिलाकर एक फेस पैक तैयार कर सकते हैं। इसको त्वचा पर लगाने से डेड स्किन हट जाती है और त्वचा की गहराई से सफाई हो जाती है। बेसन त्वचा के रंग को निखारता है और टैनिंग को भी कम करता है। आप इसको सप्ताह में दो बार भी आसानी से लगा सकते हैं।

दही और हल्दी का फेस पैक चेहरे को चमकदार और मुलायम बनाता है। इसमें कई तरह के एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो त्वचा पर होने वाले संक्रमण को भी दूर करते हैं। अगर आपके चेहरे पर एक्ने और पिंपल्स भी हो गए हैं, तो आप इसका उपयोग कर सकते हैं। दही और हल्दी का पैक नेचुरल तौर पर त्वचा को चमकदार बनाता है।

गर्मी के मौसम में आप चेहरे पर दही और शहद का फेस पैक भी लगा सकते हैं। यह फेस पैक चेहरे को अंदर से मॉइस्चराइज करता है और त्वचा की नमी को बनाए रखता है। इसके उपयोग से त्वचा पर चमक आ जाती है। दही और शहद का फेस पैक ड्राई स्किन के लिए काफी कारगर होता है।

आप इन तीनों को मिलाकर एक फेस पैक तैयार कर सकते हैं या फिर अलग-अलग भी इसे तैयार कर सकते हैं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने के बाद करीब 20 मिनट तक ऐसे ही छोड़ दें। कुछ समय के बाद ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। आप इसे सप्ताह में दो से तीन बार उपयोग कर सकते हैं।

सोने से पहले पिएं ये चमत्कारिक चाय, बिस्तर पर जाते ही आएगी गहरी नींद

आज के समय भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच लोगों में नींद न आने की समस्या आम हो गई है। कई लोग तो सोने के लिए बिस्तर पर समय से चले जाते हैं, लेकिन वे घंटों करवटें बदलते रह जाते हैं और उन्हें नींद नहीं आती है। अगर आप भी इस तरह की समस्या से जूझ रहे हैं, तो सोने से पहले दालचीनी की चाय का सेवन कर सकते हैं।

दिमाग को शांत करता है दालचीनी की चाय

दरअसल, अधिकतर किचन में दालचीनी का उपयोग खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए किया जाता है। हालांकि, आप इससे चाय भी बना सकते हैं। दालचीनी में कई तरह के एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो तनाव को कम करने के साथ-साथ दिमाग को भी शांत करते हैं।

'स्लीप टॉनिक' है दालचीनी - रात के समय सोने से करीब 30 मिनट पहले अगर आप दालचीनी की चाय का सेवन करते हैं, तो आपका शरीर रिलैक्स हो जाता है। इसके सेवन से दिनभर की थकावट भी कम होती है। रात के समय बार-बार नींद टूटने की समस्या भी इससे दूर हो जाती है।

कैसे बनाएं दालचीनी की चाय? - दालचीनी की चाय बनाने के लिए आप सबसे पहले एक पैन में पानी को गर्म करें। अब आप इसमें दालचीनी का एक छोटा टुकड़ा डाल दें। करीब 5-7 मिनट तक इसे धीमी आंच पर पकाएं। आप इसकी स्वाद को बढ़ाने के लिए इसमें शहद भी मिला सकते हैं। अब इसे छानकर कर पी लें। इसके सेवन से नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है।

हैवी वेट लिफ्टिंग में सक्षम होने से ज़्यादा सशक्त कोई एहसास नहीं है

फ़िटनेस आइकन और एंटरप्रेन्योर कृष्णा श्रॉफ कभी भी अपनी सच्चाई बताने से पीछे नहीं हटती हैं, और जब फ़िटनेस की बात आती है, तो वेट ट्रेनिंग के प्रति उनका जुनून सबसे आगे नज़र आता है। फिटनेस की शौकीन कृष्णा का मानना है कि वेट ट्रेनिंग शरीर को तराशने का सबसे प्रभावी तरीका है, जिससे व्यक्ति खुद को ठीक वैसा आकार दे सकता है जैसा वह चाहता है। मेरा जुनून हमेशा से वेट ट्रेनिंग रहा है। मेरा मानना है कि वेट्स उठाना आपके शरीर को आकार देने का एक अच्छा तरीका है, चाहे आप खुद को आकार देना चाहें, वह स्पष्ट रूप से स्वीकार करती हैं कि पारंपरिक कार्डियो वर्कआउट की तुलना में वेट ट्रेनिंग ज़्यादा पसंद है। कृष्णा के लिए जिम सिर्फ़ शारीरिक बदलाव के बारे में नहीं है, यह उस शक्ति की खोज के बारे में है जो हैवी वेट उठाने के बाद आती है। कृष्णा के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की लत सिर्फ शरीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा अनुभव है जो शरीर और मन दोनों को एक साथ बदलता है। वह कहती हैं, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग सच में लत बना देती है। यह सिर्फ़ हफ़्ते-दर-हफ़्ते शारीरिक प्रगति नहीं दिखाती, बल्कि यह मानसिक रूप से भी बहुत कुछ बदलती है और आत्मविश्वास को नई ऊँचाइयों तक ले जाती है। शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कृष्णा श्रॉफ अपने आत्मविश्वास और आत्म-छवि में आए बदलाव का श्रेय वेट ट्रेनिंग को देती हैं। वह कहती हैं, मुझे लगता है कि जिम जाना, खास तौर पर वेट ट्रेनिंग, ने मुझे आत्मविश्वास की एक नई भावना दी है जो बचपन में मेरे पास नहीं थी। उनका यह ईमानदार स्वीकार इस बात का प्रमाण है कि कृष्णा के लिए फिटनेस सिर्फ़ एक शौक से कहीं बढ़कर बन गई है। यह आत्म-खोज और सशक्तिकरण का एक साधन रहा है जो आज भी उन्हें आकार दे रहा है।

निकिता रॉय का ट्रेलर रिलीज

डरावनी ताकतों का मुकाबला करती दिखीं सोनाक्षी सिन्हा

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'निकिता रॉय' का ट्रेलर दर्शकों के रोंगटे खड़े करने के लिए काफी है। इस ट्रेलर में सोनाक्षी शैतान, भूत-प्रेत यानी सुपरनेचुरल ताकतों का सामने करती हुई दिखीं। फिल्म में परेश रावल भी एक अहम भूमिका में नजर आ रहे हैं। सोनाक्षी सिन्हा फिल्म 'निकिता रॉय' में एक जासूस की भूमिका में दिख रही हैं। निकिता का मकसद एक गुरु (परेश रावल) का पर्दाफाश करना है, जो लोगों को भूत-प्रेतों से छुटकारा दिलाने का दावा करता है।। फिल्म में अर्जुन रामपाल भी हैं, जो निकिता को गाइड करते हैं। इन सब बातों के बीच कुछ डरावने दृश्य सामने आते हैं, जिसमें शैतान और भूत-प्रेतों की झलक मिलती है। इन ताकतों का और उस गुरु यानी परेश रावल के किरदार का मुकाबला निकिता रॉय कैसे करेगी? यही फिल्म में दिखाया जाएगा। निकिता रॉय के रोल में सोनाक्षी काफी जम रही हैं। वहीं ट्रेलर में परेश रावल अपनी एक्टिंग से डर का माहौल बनाने में पूरी तरह से कामयाब नजर आते हैं। उनके डायलॉग भी काफी दमदार हैं।

रिलीज की तारीख भी आई सामने

सोनाक्षी सिन्हा की सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म 'निकिता रॉय' की रिलीज डेट भी ट्रेलर के साथ साझा की गई है। यह फिल्म 27 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म के निर्देशक कुश एस सिन्हा हैं। फिल्म को निक्की खेमचंद भगनानी ने प्रोड्यूस किया है।

तीन साल बार बड़े पर्दे पर सोनाक्षी की वापसी

सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म 'डबल एक्सएल' साल 2022 में थिएटर में रिलीज हुई। फिर 'काकुड़ा' में वह दिखीं लेकिन यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई। इस तरह देखा जाए तो बड़े पर्दे यानी सिनेमाघरों में तीन साल के बाद सोनाक्षी सिन्हा की कोई फिल्म रिलीज होगी

रणबीर की 'रामायण' में इस भूमिका के लिए प्रियंका चोपड़ा थीं पहली पसंद इस वजह से बिगड़ी बात

नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रामायण' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर पिछले कई दिनों से चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि, बीते दिनों फिल्म की स्टारकास्ट के फाइनल होने की खबरें आईं, जिसमें रणबीर कपूर, साई पल्लवी, यश और सनी देओल समेत एक भारी भरकम स्टारकास्ट नजर आ रही है। अब एक ऐसी जानकारी सामने आ रही है, जिसमें कहा जा रहा है कि प्रियंका चोपड़ा भी इस फिल्म का हिस्सा होने वाली थीं। मेकर्स ने प्रियंका से एक अहम किरदार के लिए संपर्क किया था। जानिए कौनसा था वो किरदार और क्यों अटक गई बात। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने ई-टाइम्स को बताया कि इस एपिक माइथोलॉजी में मेकर्स अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा को भी लेना चाहते थे। इसके लिए मेकर्स ने प्रियंका से संपर्क भी किया था। जानकारी के मुताबिक, मेकर्स प्रियंका को सूर्पनखा के किरदार में कास्ट करना चाहते थे। जिसके लिए मेकर्स ने अभिनेत्री से अप्रोच किया था। मगर डेट्स के चलते प्रियंका इस किरदार को हां नहीं कह पाई। नतीजा उनकी जगह रकुल प्रीत सिंह अब सूर्पनखा के रोल के लिए फाइनल की गई हैं।

राणा नायडू और मस्ती... दोनों चीजें कभी साथ में नहीं चल सकती

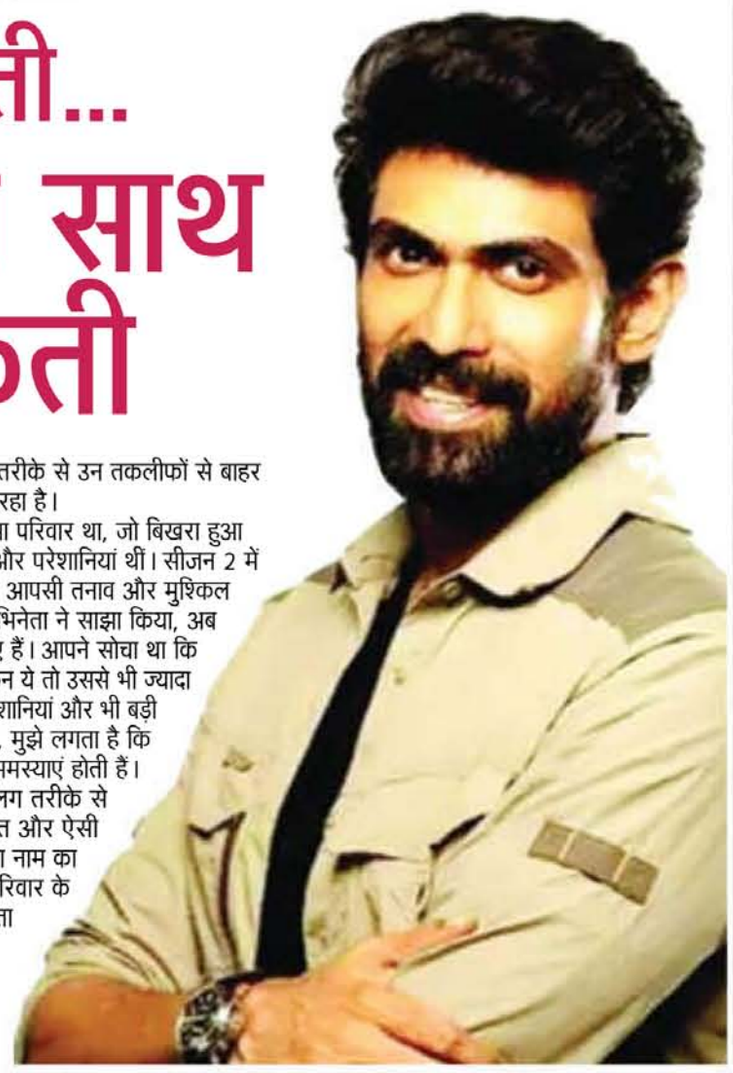

तेलुगु स्टार राणा दग्गुबाती अपने हिट स्ट्रीमिंग शो राणा नायडू के दूसरे सीजन की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने कहा कि इस शो में उनका किरदार बहुत सारे दर्द और मानसिक तकलीफों से जुड़ा है। इंटरव्यू में राणा से पूछा कि उन्हें अपने राणा नायडू का किरदार निभाने में सबसे मजेदार चीज क्या लगी?

उन्होंने कहा, राणा नायडू और मस्ती, ये दोनों चीजें कभी साथ में नहीं चल सकतीं। यह किरदार बहुत गंभीर है। वह कई अंदरूनी तकलीफों से जूझ रहा है, जिनका जिक्र वह किसी से नहीं कर पाता। मुझे लगता है कि भारतीय पुरुषों के साथ ऐसा होता है, खासकर जो परिवार के मुखिया होते हैं या जिन पर बहुत जिम्मेदारी होती है, वे अपनी तकलीफों के बारे में किसी से बात नहीं करते। नायडू परिवार की कहानी में भी ऐसा ही कुछ दिखाया गया है, एक ऐसा परिवार जिसमें सभी लोग अपनी-अपनी अंदरूनी परेशानियों के दबाव में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, चाहे वह बाप-बेटे के बीच का झगड़ा हो, पति-पत्नी के बीच की परेशानी हो या भाई-बहनों के बीच के मतभेद हों, मुझे लगता है कि यह सब किसी न किसी पुराने दर्द से जुड़े हुए हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से उन तकलीफों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा है।

सीजन 1 में सिर्फ एक ऐसा परिवार था, जो बिखरा हुआ था। उनमें झगड़े, मतभेद और परेशानियां थीं। सीजन 2 में अब दो ऐसे परिवार हैं, जो आपसी तनाव और मुश्किल हालातों से जूझ रहे हैं। अभिनेता ने साझा किया, अब दो ओबेरॉय कहानी में आए हैं। आपने सोचा था कि नायडू परिवार बुरा है, लेकिन ये तो उससे भी ज्यादा बुरे हैं। अमीर लोगों की परेशानियां और भी बड़ी होती हैं। उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि अमीर लोगों की भी यही समस्याएं होती हैं। उनकी परेशानियां एक अलग तरीके से बढ़ जाती हैं, जैसे विरासत और ऐसी चीजें। इस कहानी में नागा नाम का एक किरदार है, जो इस परिवार के बीच में बार-बार दखल देता रहता है। राणा नायडू का दूसरा सीजन 13 जून से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा।

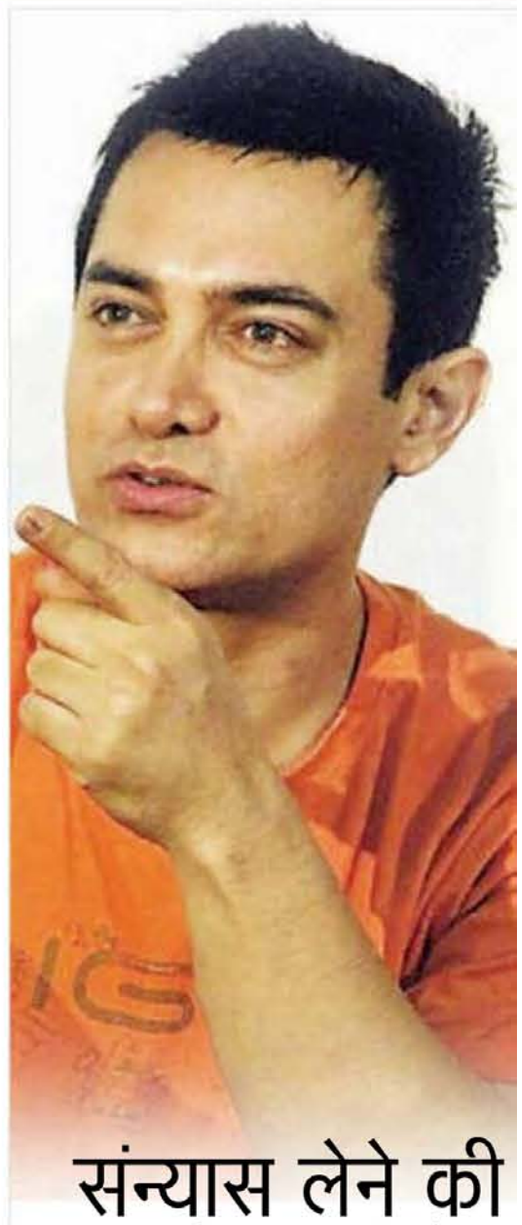

संन्यास लेने की अफवाहों पर अभिनेता ने दी ये प्रतिक्रिया

आमिर खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर को लेकर चर्चा में हैं। वह इसके प्रमोशन में व्यस्त हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि शायद फिल्म महाभारत के बाद मेरे पास करने के लिए कुछ न बचे। लोगों ने आमिर की इस बात का यह मतलब निकाला कि वह महाभारत के बाद एक्टिंग से संन्यास ले लेंगे।

एक्टिंग से पीछे नहीं हटेंगे आमिर खान

आमिर खान ने बातचीत में कहा है कि एक्टिंग से पीछे हटने का उनका कोई प्लान नहीं है। आमिर खान ने कहा महाभारत हमारी आखिरी फिल्म नहीं होगी। अभी मामला ऐसा है कि हम कुछ भी बोलें, उसका गलत मतलब निकल आता है। मुझसे पूछा गया कि आप कोई ऐसी फिल्म करो जिसको करने के बाद आपका काम करने का मन न हो। तो वह फिल्म कौन सी होगी?

आमिर ने कहा ध्यान से सुना करें बाते

इसके बाद आमिर ने कहा मटेरियलवाइज मुझे एक ही चीज नजर आती है कि जो फिल्म करने के बाद शायद मेरे मन में ये ख्याल उठे कि बस हो गया। मैंने उसका जवाब इस तरह दिया था। लोगों को लगा कि महाभारत मेरी आखिरी फिल्म होगी। जवाब को ठीक से सुना कीजिए।

क्या बोले थे आमिर खान?

आपको बता दें कि आमिर खान ने हाल ही में राज शमनी के साथ अपने ड्रीम प्रोजेक्ट महाभारत के बारे में बात की थी। इसके बाद उनके संन्यास लेने की अफवाहें उड़ने लगीं। आमिर ने तब कहा था यह मेरा ड्रीम प्रोजेक्ट है कि मैं महाभारत बनाऊं, मैं इस पर सितारे जमीन पर की रिलीज के बाद काम करना शुरू कर दूंगा। मुझे लगता है कि यह ऐसा प्रोजेक्ट है, जिसको करने के बाद मुझे ये लगेगा कि अब मैं इससे अच्छा नहीं कर पाउंगा। यह फिल्म भव्य होगी। इसके बाद आमिर के संन्यास की खबरें सुर्खियों में आई।

आमिर खान की अगली फिल्म के बारे में

फिलहाल आमिर अपनी अपकमिंग फिल्म सितारे जमीन पर की रिलीज के लिए तैयार हैं। फिल्म में वह एक बास्केटबॉल कोच की भूमिका निभाने वाले हैं। वह दिव्यांग बच्चों को खेल सिखाते नजर आएंगे। आरएस प्रसन्ना द्वारा निर्देशित यह फिल्म स्पैनिश फिल्म चैंपियंस की रीमेक है। फिल्म में जेनेलिया देशमुख भी हैं।

बिना ऑडिशन दिए जयदीप को मिली थी पाताल लोक

वेब सीरीज पाताल लोक ने जयदीप अहलावत के करियर को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। उन्होंने इसमें हाथीराम चौधरी का किरदार अदा किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह शानदार सीरीज एक्टर को बिना किसी ऑडिशन के मिली।

कलाकार का खाली वक्त निराशा में नहीं जाना चाहिए

अभिनेता से पूछा गया कि 2010 से 2020 तक के सफर पर बात करें तो आप हर जगह नजर आए। बड़े-बड़े किरदार में नजर आए। लेकिन, क्या ऐसा लगा कि दिख तो रहा हूं लेकिन एक पहचान बनाना बाकी है? इस पर जयदीप अहलावत ने कहा हां बिल्कुल लगा। मैंने बहुत बड़े-बड़े डायरेक्टर्स के साथ काम किया। एक काम के बाद दूसरे काम में गैप भी बहुत ज्यादा रहा। ऐसे बहुत लंबा वक्त बीता है। लेकिन, जब आप वहां जाते हो तो यही वो पिलर हैं जहां मकान बनता है। तो मुझे लगता है कि नींव काफी मजबूत है। जयदीप ने आगे कहा, बस यही है कि जब आप खाली बैठो तो वह दौर निराशा में नहीं जाना चाहिए। खाली बैठे एक्टर को बहुत तैयारी करनी चाहिए। कई एक्टर्स ने बहुत अच्छा काम किया। फिर गायब हुए और वापस आए। ऐसे में कंसिस्टेंसी बहुत जरूरी है।

वेब सीरीज पाताल लोक ने जयदीप अहलावत के करियर को एक नए मुकाम पर पहुंचाया। उन्होंने इसमें हाथीराम चौधरी का किरदार अदा किया है। दिलचस्प बात यह है कि यह शानदार सीरीज एक्टर को बिना किसी ऑडिशन के मिली। दरअसल, जयदीप अहलावत 10 जून को देहरादून में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे। यहां उन्होंने पाताल लोक को लेकर खुलासा किया।

कैसे मिली पाताल लोक?

15 मई 2020, वह दिन जब भारत के तमाम लोग अपने घरों में थे। तब पाताल लोक रिलीज हुई और लोगों को हाथीराम चौधरी देखने को मिला। लोगों के फोन आने शुरू हुए होंगे? क्या अनुभव था? जयदीप अहलावत ने कहा, मेरे पास जब यह सीरीज आई, तो कहा गया कि आप इसके लिए हां कहो और आपका कोई ऑडिशन नहीं होगा। मुझे बहुत सरप्राइज हुआ कि मैं आठ-नौ एपिसोड की एक सीरीज करूं और मुझे जांचा-परखा भी न जाए। जिस खूबसूरती से पाताल लोक को लिखा गया, दुनिया में ऐसा कोई एक्टर नहीं जो इस स्क्रिप्ट को मना कर सकता है।

एक्टर से पूछा गया पाताल लोक के बाद क्या कोई ऐसा कॉल आया जब आपको हैरानी हुई हो? एक्टर ने कहा, उस वक्त कई दिग्गजों के फोन आए। मनोज (बाजपेयी) भाई ने मुझसे करीब 20 मिनट तक बात की। मैं रो रहा था और वो बोले जा रहे थे। उन्होंने कहा कि इसे देखकर मुझे लग रहा है कि मेरी एक्टिंग की वर्कशॉप हो रही है। मुझे लगता है कि इससे सुंदर मुझे कोई क्या बोलेगा? 5 दिन के बाद बहुत बड़े-बड़े लोगों ने बधाई दी तब महसूस हुआ कि अब ये बड़ा हो गया।

मैं शेखर सर और धनुष के साथ काम करना चाहती थी इसी वजह से 'कुबेर' के लिए हां कहा

धनुष स्टारर फिल्म 'कुबेर' का आज सॉन्ग लॉन्च इवेंट हुआ। इस खास मौके पर नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, रश्मिका मंदाना, जिम सरभ और दलीप ताहिल जैसे दिग्गज एक्टर्स ने शिरकत की। शेखर कम्मुला द्वारा निर्देशित और सह-लिखित 'कुबेर' एक सोशल थ्रिलर है। इस दौरान अभिनेत्री रश्मिका मंदाना से फिल्म से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। रश्मिका मंदाना ने डायरेक्टर शेखर कम्मुला और को-स्टार धनुष के साथ काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि मैं शेखर सर और धनुष के साथ काम करना चाहती थी। यही वजह थी कि मैंने इस फिल्म के लिए हां कह दी। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए रश्मिका ने कहा यकीनन मैंने ऐसा रोल पहले कभी नहीं किया। मैं पूरी तरह से डायरेक्टर के हवाले हो गई और यही खूबसूरती है। हर डायरेक्टर का अपना अंदाज होता है, इसीलिए मुझे इतने दिलचस्प और अलग-अलग किरदार निभाने को मिलते हैं। मैं इसके लिए हमेशा शुक्रगुजार रहूंगी।

एक्सप्रेसवे की सेंट्रल वर्ज में पेंटिंग में लापरवाही, 5 लाख का जुर्माना

स्वास्थ्य निरीक्षक व जेई का एक माह का वेतन काटने के दिए निर्देश

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डा लोकेश एम ने सेक्टर-136, 137, नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे एवं सेक्टर-21 ए स्थित नोएडा स्टेडियम का भ्रमण कर विकास कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिविल विभाग के उप महाप्रबंधक विजय कुमार रावल उपस्थित रहे।

इस मौके पर सीईओ ने सेक्टर-137 में टी-प्वाइंट का सुंदरीकरण करने एवं यातायात मानकों के अनुरूप सुधार किये जाने का निर्देश दिया। इस दौरान टी प्वाइंट पर कराए गए कार्य के अंतर्गत पेवर ग्रास टाइल्स टूटी / धंसी पायी, अन्य कार्य भी गुणवत्ता मानकों के अनुसार नहीं दिखी। इस संबंध में संबंधित अवर अभियंता का एक माह का वेतन की कटौती करने के निर्देश दिया गया। टाइल्स का कार्य नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) एवं शासन द्वारा निर्गत आदेशानुसार ही किए जाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त टी प्वाइंट पर अत्यधिक मात्रा में गार्बेज एकत्रित पाया गया। साथ ही संपूर्ण सेक्टर-136 व 137 में कहीं भी सफाई कर्मचारी कार्यरत नहीं पाए गए, जिससे सेक्टरों में सफाई व्यवस्था दयनीय थी।

सीईओ ने संबंधित स्वास्थ्य निरीक्षक का एक माह के वेतन की कटौती किए जाने के निर्देश दिए गए। उक्त स्थल पर निरीक्षण के दौरान ड्रेन में विभिन्न सोसायटियों से सीवरेज / अशोधित जल प्रवाहित होता हुआ पाया गया, जिसके संबंध में संबंधित सोसायटीज़ को नोटिस निर्गत करते हुए उक्त सोसायटियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए। सेक्टर-137 में कुछ स्थानों पर नाले अनकवर्ड पाए गए, जिनको ढके जाने के निर्देश सीईओ ने दिये।

महामाया फ्लाईओवर के समीप सर्विस रोड पर आवंटित निर्माण सामग्री एकत्रित पाई गई, जिसको तत्काल साफ कराने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेंट्रल वर्ज पर पेंटिंग का कार्य मानकों के अनुरूप नहीं था साथ ही उक्त कार्य की प्रगति भी काफी धीमी थी, जिसके दृष्टिगत संविदाकार पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाने एवं एक सप्ताह में उक्त कार्य की गुणवत्ता सुधारने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एम.पी.-2 मार्ग पर सेक्टर-18 फ्लाईओवर पर पूर्व में किया गया पेंट धूमिल हो गया है, जिसको पुनः कराए जाने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त एमपी-2 मार्ग पर निर्मित एलिवेटेड रोड पर पूर्व दिए गए निर्देशों के बाद भी उक्त मार्ग पर सफाई व्यवस्था समुचित नहीं पाई गई।

मुख्य कार्यपालक अधिकारी सेक्टर-21ए स्थित नोएडा स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। स्टेडियम में कहीं-कहीं जाल क्षतिग्रस्त पाए गए, जिनकी मरम्मत कराने का निर्देश दिया। स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान संपूर्ण स्टेडियम की सफाई व्यवस्था अत्यंत दयनीय पाई गई, जिसके संबंध में संपूर्ण स्टेडियम की समुचित सफाई अगले 24 घंटे में कराने के निर्देश दिए गए।

सेक्टरों की समस्याओं को लेकर हुई अहम बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। नौएडा प्राधिकरण के विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सैक्टर - 19 के सामुदायिक केंद्र में आर डब्ल्यू ए सैक्टर-19 के प्रमुख पदाधिकारियों के साथ एक बैठक की।

प्राधिकरण की ओर से सिविल वर्क सर्किल -2 के वरिष्ठ प्रबंधक कपिल सिंह के नेतृत्व में वर्क सर्किट-2 से अनिल भाटी, उद्यान विभाग से एडीई मुकेश कुमार, जनस्वास्थ्य की ओर से वरिष्ठ प्रबंधक उमेश त्यागी, विद्युत एवं यान्त्रिकी विभाग के वरिष्ठ प्रबंधक अमरजीत सिंह व सहायक प्रबंधक उमेश कुमार, जल एवं सीवर विभाग से सहायक प्रबंधक अनिल वर्मा तथा इन सभी विभागों के अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया।

फोनरवा के महासचिव केके जैन के नेतृत्व में सैक्टर-19 आरडब्ल्यूए की ओर से लक्ष्मी नारायण, आर सी गुप्ता, राम कुमार शर्मा, अशोक शर्मा, डीएस रावत, वीरेन्द्र गुप्ता, एम एस दहिया, राज कुमार चौहान, समीर सूर आदि ने भगीदारी की तथा सैक्टर के निवासियों की जल - सीवर समस्याओं, पार्कों के उचित रखरखाव, पार्कों व स्ट्रीट्स में लाइटों के उचित रखरखाव, बड़े नाले - नालियों की सफाई, सभी सड़कों का पुनर्निर्माण, मार्केटों का सौदर्यकरण, संजय गाँधी विद्यालय ग्राउंड की उचित साफ सफाई व इसके चारों ओर चारदीवारी का निर्माण, सैक्टर के अंदर अनधिकृत कब्जों को हटाना और सैक्टर के अंदर आवारा पशुओं गाय आदि, आवारा कुत्तों व बंदरों के आतंक से छुटकारा आदि समस्याओं के समाधान के बारे में अधिकारियों को लिखित पत्र दिया गया। अधिकारियों ने समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

सोसाइटी के प्रवेश द्वार पर लगाये बाल श्रम निषेध का पोस्टर : डीएम

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में बाल श्रम पर अंकुश लगाते हुए बाल श्रमिकों को शिक्षा से जोड़ने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बाल श्रम उन्मूलन जनपद समिति गौतमबुद्धनगर की बैठक एवं संगोष्ठी सम्पन्न हुई।

अपर श्रमायुक्त सरजू राम द्वारा बताया गया कि 14 से 18 वर्ष तक के बच्चे किशोर श्रमिकों को पूर्ण रूप से प्रतिबन्धित किया गया है। गैर खतरनाक प्रतिष्ठानों में कुछ विनियामक उपायों के साथ किशोर श्रमिकों का नियोजन हो सकता है, जिसमें उनसे लगातार 03 घंटों से ज्यादा कार्य नहीं लिया सकता है और किशोर श्रमिकों से ओवर टाईम का कार्य भी नहीं लिया जा सकता।

अपर श्रमायुक्त ने बताया कि विगत वर्ष 2024-25 में जनपद में कुल 594 में बाल/किशोर श्रमिक चिन्हित किये गये है। जिसमें से 537 नियोजक के सापेक्ष 445 के विरूद्ध अभियोजन की कार्यवाही पूर्ण की जा चुकी है। इसी प्रकार वर्ष 2025-26 में 79 बाल/किशोर श्रमिक चिन्हित किये गये है। जिस पर कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

जिलाधिकारी ने बैठक के दौरान कहा कि जनपद में स्थित समस्त आर0डब्लू0ए0 पदाधिकारियों के साथ एक बैठक बुलाई जायें तथा प्रत्येक आर0डब्ल्यू0ए0/ सोसाईटी में छोटे बच्चें कार्य न करें, इसके लिये सोसाइटी के

प्रवेश गेट पर बाल श्रम निषेध का बोर्ड लगाना सुनिश्चित करें तथा अपर श्रमायुक्त एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विभिन्न सोसाईटी में काम करने वाले श्रमिको/घरेलू श्रमिकों के बच्चें जो पढाई नहीं कर रहे है, उन्हें उनके निवास के निकट विद्यालयों में प्रवेश करना सुनिश्चित किया जाये। इस अभियान में पुलिस की भी मदद ली जा सकती है।

इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी, उप चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, सहायक निदेशक कारखाना, सहायक श्रमायुक्त, प्रभारी निरीक्षक एएचटीयू. अध्यक्ष, बाल श्रम कल्याण समिति, वाईल्ड लाईव, ई0एस0आई0सी0 एवं श्रमिक प्रतिनिधि गगेश्वर दत्त शर्मा, सीटू जिला महामंत्री पिंकी, राकेश बंसल, चेयरमेन आई0आई0एस0, अमित उपाध्याय अध्यक्ष आई0बी0ए, अंजू शर्मा एवं श्रम विभाग के श्रम प्रवर्तन अधिकारी उपस्थित रहे।

नोएडा में नजर आया ओडिशा, ओडिया समाज के 25 हजार लोग जुटे

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा शहर में शनिवार तथा रविवार को अद्भुत नजारा देखने को मिला। नोएडा में यह नजारा देख कर ऐसा लग रहा था कि मानो पूरा ओडिशा नोएडा शहर में आ गया है। नोएडा स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में नोएडा, दिल्ली तथा ह्रष्टक में रहने वाले ओडिया समाज के 25 हजार से ज्यादा पुरूष, महिलाएं तथा बच्चे शामिल हुए। आयोजन में ओडिशा की सांस्कृतिक विरासत देखने लायक थी। इस आयोजन में अनेक राजनेता, उद्योगपति, प्रशासनिक अधिकारी तथा सामाजिक कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

आपको बता दें कि समुदायिक विकास समिति (एसवीएस) द्वारा नोएडा में पहली बार ओडिशा का पारंपरिक 'राजा पर्व' अत्यंत धूमधाम, सांस्कृतिक वैभव और शानदार उत्साह के साथ मनाया गया। दो दिवसीय इस महोत्सव का आयोजन नोएडा स्टेडियम स्थित रामलीला मैदान में किया गया, जिसे भव्य और सौंदर्यपूर्ण ढंग से सजाया गया था। पूरा परिसर एक मिनी ओडिशा जैसा प्रतीत हो रहा था और वातावरण में पारंपरिक उल्लास एवं सांस्कृतिक गरिमा स्पष्ट झलक रही थी।

ओडिशा का यह सबसे बड़ा और लोकप्रिय पर्व महिला शक्ति को समर्पित होता है, जब वर्षा ऋतु में धरती माँ की उर्वरता का उत्सव मनाया जाता है। इस ऐतिहासिक आयोजन में नोएडा और आसपास के क्षेत्रों से लगभग 25,000 ओडिया समुदाय के लोग और ओडिशा प्रेमी अपने परिवारों सहित शामिल हुए। यह आयोजन नोएडा में पहली बार हुआ, इसलिए आयोजकों और प्रतिभागियों में विशेष उत्साह और अद्वितीय जोश देखने को मिला।

ओडिया व्यंजनों की महक ने मोह लिया नोएडा वालों का मन

नोएडा शहर में दो दिन तक चले इस महोत्सव का सबसे लुभावना हिस्सा था ओडिया फूड फेस्टिवल, जिसमें कटक दहीबड़ा आलूदम, सालेपुर रसगुल्ला, टंका तोरानी, कोरापुट नमकीन, अरीसा, काकरा, मांडापीठा, छेना पोड़ा, पोड़ा पीठा और जाजपुर का स्पेशल पान जैसी पारंपरिक स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए।

इस भव्य आयोजन में गौतमबुद्धनगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा, भाजपा नेता विजयपाल सिंह तोमर और महेश चौहान, प्रसिद्ध उद्योगपति राजेश सहाय, वास्तु गुरु गौतम ऋषि, जिला अधिकारी मनीष वर्मा, और नीलाचल सेवा संघ के सचिव रविंद्रनाथ प्रधान जैसे गणमान्य अतिथियों ने समारोह की शोभा बढ़ाई। सभी ने स्क्रूस् और इसके संस्थापक, समाजसेवी व चार्टर्ड अकाउंटेंट डॉ. मनोरंजन महांती को इस अद्वितीय आयोजन के लिए बधाई दी और ओडिशा की समृद्ध संस्कृति को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रचारित करने की उनकी पहल की सराहना की। डॉ. मनोरंजन महांती ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'राजा पर्व केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि यह हमारी मातृभूमि, मातृभाषा और मातृत्व को समर्पित श्रद्धांजलि है।'

आयोजन समिति ने पूरी मेहनत से कराया आयोजन

नोएडा शहर में आयोजित किए गए इस विशेष आयोजन की सटीक और बेहतरीन व्यवस्था एसवीएस की कुशल टीम के नेतृत्व में की गई, जिसमें डॉ. मनोरंजन मोहंती के साथ प्रमोद भाल, रीता पात्रा, धनेश्वर नायक, देबव्रत मिश्रा, सुब्रत जेना, शैलेश आनंदानी, रेवा सोलंकी, भारत कुमार, दीपक झा, किशन साहू, विनू बिष्ट, प्रियंका राठौर समेत समिति के सभी सदस्य शामिल थे। नोएडा के नागरिक आयोजन की खूब तारीफ कर रहे हैं।

ओडिशा के सांस्कृतिक आकर्षण का केन्द्र बना नोएडा

नोएडा शहर में आयोजित राजा पर्व-2025 के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम रही। कॉमेडी किंग पपु पाम पाम की हास्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को खूब हँसाया। वहीं, प्रसिद्ध गायकगण अनिंदिता दास, देवेश पति, पपु पांडा और ज्योति की मधुर प्रस्तुतियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहीं। ओलिवुड अभिनेता अश्रुमोचन महांती की अभिनय कला ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इसके अतिरिक्त ओडिशा और एनसीआर के कलाकारों द्वारा ओडिसी, मणिपुरी, संबलपुरी, गोटीपुआ, झूमर, जनजातीय और आधुनिक नृत्य प्रस्तुतियाँ भी की गईं। कार्यक्रम में लगभग 30 स्टॉल्स लगाए गए थे, जहाँ पारंपरिक ओडिया हथकरघा, हस्तशिल्प, परिधान, और फोटोग्राफी की प्रदर्शनी लगाई गई थी। पर्व के दौरान महिलाओं के सशक्तिकरण पर केंद्रित गतिविधियाँ, राजा क्वीन व राजा कुमारी प्रतियोगिताएं, बच्चों के लिए खेल, मेंहदी व ड्राइंग प्रतियोगिता और लोक कला पर कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com